Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 154
पृष्ठ : 6
मूल्य : 2.00
शनिवार,03 जनवरी 2026

मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

3 यूपी बन रहा है देश का उभरता दूरसंचार पावरहाउस

4 चीन और रूस ने अपने नो लिमिट गठजोड़ को

5 अक्षय कुमार के साथ पहली बार स्क्रीन साझा करेंगी रानी मुखर्जी

पीएम ने बताया बीजेपी की भविष्य योजना

केरल नए सवेरे के लिए तैयार, फिक्स्ड मैच वाली राजनीति जल्द खत्म होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। तिरुवनंतपुरम में हाल ही में हुए नगर निकाय चुनावों में मिली जीत को केरल में बड़े चुनावी विस्तार के लिए एक लॉन्चपैड के तौर पर पेश करने की बीजेपी की चुनावी रणनीति को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नए चुने गए मेयर को लिखे पत्र से बड़ा बढ़ावा मिला है। वीवी राजेश को लिखे पत्र में मोदी ने केरल के विरोधी राजनीतिक मोर्चों -- CPI(M) के नेतृत्व वाले लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट (LDF) और कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (UDF) -- पर तीखा हमला बोला और उन पर राज्य में फिक्स्ड मैच खेलने का आरोप लगाया। उन्होंने जोर देकर कहा कि तिरुवनंतपुरम नगर निकाय में बीजेपी की पहली जीत के बाद यह व्यवस्था खत्म होने वाली है। प्रधानमंत्री ने लिखा, LDF और UDF का फिक्स्ड मैच -- दिल्ली में दोस्त और केरल में दुश्मन -- अब खत्म होने वाला है। केरल उनके झूठे वादों से आजाद होना चाहता है। उढक(ट) के नेतृत्व वाला छऊऋअभी राज्य में सरकार चला रहा है, जबकि कांग्रेस वऊऋका नेतृत्व करती है। केरल में राजनीतिक विरोधी होने के बावजूद, ये दोनों राष्ट्रीय स्तर पर कठऊऋअ गठबंधन के तहत सहयोगी हैं। प्रधानमंत्री ने तिरुवनंतपुरम कॉर्पोरेशन में बीजेपी के सबसे बड़ी ताकत के रूप में उभरने को युग बदलने वाला बताया और हाल ही में हुए स्थानीय निकाय चुनावों के बाद राज्य की राजधानी में बीजेपी के सत्ता में आने पर राजेश, डिप्टी मेयर जीएस आशा नाथ और अन्य पार्टी नेताओं को बधाई दी। उन्होंने इसे बहुत गर्व और खुशी का पल बताया और इसे सुनहरे अक्षरों में लिखा गया एक मील का पत्थर बताया। पीएम के अनुसार, तिरुवनंत पुरम में इतिहास रचा गया जब मेयर और डिप्टी मेयर ने शपथ ली, और कहा कि यह फैसला केरल के लोगों, खासकर युवाओं और महिलाओं में, एक नए सवेरे के लिए तैयारी को दिखाता है। उन्होंने आगे कहा कि बीजेपी के नेतृत्व वाला नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस बिना किसी भेदभाव के राष्ट्रवाद, बिना भ्रष्टाचार के विकास और बिना तुष्टीकरण के शासन पर आधारित एक विश्वसनीय विकल्प के रूप में उभर रहा है। पार्टी की और तारीफ करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि बीजेपी कार्यकताओं ने दशकों से केरल में एक लंबा और मुश्किल सफर तय किया है, जिसे उन्होंने छऊऋऔर वऊऋदोनों के खराब शासन का नाम दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि दोनों मोर्चों ने भ्रष्टाचार और हिंसा की संस्कृति को बढ़ावा दिया है, लेकिन कहा कि बीजेपी कार्यकर्ता दृढ़ रहे, निडर होकर जनता के मुद्दे उठाते रहे और इंडिया फर्स्ट की विचारधारा के प्रति प्रतिबद्ध रहे। तिरुवनंतपुरम की अपनी यात्राओं को याद करते हुए मोदी ने कहा कि श्री पद्मनाभस्वामी के आशीर्वाद से इस शहर ने नेता, समाज सुधारक, कलाकार और सांस्कृतिक हस्तियां पैदा की हैं। उन्होंने कहा कि विकसित तिरुवनंतपुरम के लिए पार्टी के विजन को समाज के सभी वर्गों में समर्थन मिला है, जिसमें केंद्र सरकार की विभिन्न राज्यों में शहरी विकास की पहलों से लोगों को मिली जानकारी का भी योगदान है। उन्होंने श्री नारायण गुरु, महात्मा अय्यंकाली और मन्नथु पद्मनाभन की शिक्षाओं का भी ज़िक्र किया और नए नगर निगम नेतृत्व से शहर की सेवा करते समय उनके आदर्शों से प्रेरणा लेने का आग्रह किया। बीजेपी ने तिरुवनंतपुरम कॉर्पोरेशन की 101 सीटों में से 50 सीटें जीतीं, जिस पर पहले CPI(M) के नेतृत्व वाले का शासन था।

उर्मिला सनावर के घर पर पुलिस ने फिर से नोटिस चस्पा किए

मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रहीं

हरिद्वार (एजेंसी)। पिछले दिनों भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री और उत्तराखंड प्रभारी दुष्यंत गौतम का नाम लेते हुए उर्मिला सनावर ने एक ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल किया था। इसके बाद प्रदेश की राजनीति गरमा गई। अंकिता भंडारी हत्याकांड मामले में सोशल मीडिया पर वायरल ऑडियो प्रकरण में पुलिस ने पूर्व विधायक सुरेश राठौर के बाद अभिनेत्री उर्मिला सनावर के घर पर नोटिस चस्पा किए। अभिनेत्री उर्मिला सनावर की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। अलग-अलग थानों में दर्ज मुकदमों में बार-बार नोटिस भेजे जाने के बावजूद पुलिस के सामने पेश न होने पर अब उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी गई है। बृहस्पतिवार को भी हरिद्वार पुलिस की दो अलग-अलग टीमों ने सहारनपुर पहुंचकर उर्मिला के आवास पर नोटिस चस्पा किए। तय समय में पेश न होने की स्थिति में गिरफ्तारी वारंट हासिल करने की प्रक्रिया अपनाई जाएगी। पुलिस के अनुसार, उर्मिला सनावर के खिलाफ ज्वालापुर कोतवाली और झबरेड़ा थाने में दर्ज मुकदमों में नोटिस जारी किए गए हैं। इससे पहले बहादराबाद थाने में दर्ज एक अन्य मामले में भी उसे नोटिस भेजा जा चुका है, लेकिन वह अब तक जांच में शामिल नहीं हुई। तीन बार नोटिस जारी होने के बावजूद पेश न होने को पुलिस गंभीरता से ले रही है। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए राज्य स्तर की एजेंसियां भी सक्रिय हो गई हैं।

दिल्ली एयरपोर्ट पर उड़ानों पर लगा ब्रेक, एयरलाइन ने जारी की एडवाइजरी

नईदिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शुक्रवार को 66 उड़ानें रद्द रहीं। दिल्ली में आज कोहरा कम था, लेकिन देश के दूसरे हिस्सों में कोहरे के कारण वहां से आने वाली और वहां जाने वाली उड़ानें रद्द रहीं। हवाई अड्डे के अधिकारियों ने बताया कि विभिन्न विमान सेवा कंपनियों ने आज दिल्ली आने वाली 32 और यहां से जाने वाली 34 उड़ानें रद्द कीं। इसके अलावा कई उड़ानों में देरी की भी सूचना है। उल्लेखनीय है कि आज दिल्ली में रनवे पर दृश्यता ठीक रही, लेकिन दूसरे शहरों में कोहरा रहा। इंडिगो ने हैदराबाद, गुवाहाटी, वाराणसी, उदयपुर, जम्मू, विशाखापत्तनम और जैसलमेर में कोहरा होने की सूचना देते यात्रियों को अपनी उड़ान की ताजा स्थिति जानने के लिए वेबसाइट और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर संपर्क करने की सलाह दी है। अमृतसर हवाई अड्डे पर भी आज सुबह घना कोहरा रहा।

बेंगलुरु आतंकी साजिश केस, एनआईए ने मनोचिकित्सक समेत तीन के खिलाफ दाखिल की चार्जशीट

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने बेंगलुरु में 2023 के एक मामले में पाकिस्तान स्थित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े तीन आरोपियों सहित एक मनोचिकित्सक के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, बृहस्पतिवार को बेंगलुरु की एक अदालत में दाखिल दूसरे सहायक आरोप पत्र में एनआईए ने अनीस फातिमा, चान पासा ए. और नागराज एस को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), अवैध गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, विस्फोटक पदार्थ अधिनियम, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम और कर्नाटक जेल अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत नामित किया है।मामले में जांच कर रही स्थानीय पुलिस से लेकर यह मामला अक्टूबर 2023 में एनआईए को सौंपा गया था। एनआईए ने फरार जुनैद अहमद समेत नौ आरोपियों के खिलाफ इससे पूर्व आरोप पत्र दाखिल किए गए थे। अधिकारियों के एक बयान के अनुसार, यह मामला मूल रूप से बेंगलुरु सिटी पुलिस ने जुलाई 2023 में दर्ज किया था।

ठंड को लेकर सीएम योगी का बड़ा आदेश

12वीं तक के सभी स्कूल पांच जनवरी तक बंद रहेंगे:सीएम

लखनऊ (एजेंसी)। भीषण ठंड को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को अपने सरकारी आवास पर ठंड को लेकर अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने समीक्षा बैठक में बढ़ती ठंड को लेकर अधिकारियों को काफी निर्देश जारी किए। इसके साथ ही चेतावनी भी दी कि कोई लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अधिकारी फील्ड में एक्टिव रहें कड़ाके की ठंड के कारण ICSE, CBSE, UP बोर्ड और अन्य बोर्ड सहित क्लास 12 तक के सभी स्कूल 5 जनवरी तक बंद रहेंगे। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को फील्ड में एक्टिव रहने, सभी जिलों में कंबल और अलाव की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने और यह पक्का करने का निर्देश दिया है कि कोई भी खुले में न सोए। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि कड़ाके की ठंड के दौरान लोगों को राहत देने के लिए सभी रैन बसेरों में जरूरी सुविधाओं का पूरा इंतजाम होना चाहिए। आदित्यनाथ ने बड़ा फैसला लिया। यूपी में कक्षा 12 तक के सभी स्कूल और कॉलेज पांच जनवरी तक बंद रहेंगे। आदेश बोर्डों पर लागू होगा।

अरुणाचल की महिला के चीन में उत्पीड़न के मुद्दे पर भड़के जयशंकर

'इन चालबाजियों से हकीकत नहीं बदलेगी'

चेन्नई (एजेंसी)। अरुणाचल प्रदेश की महिला को भारतीय पासपोर्ट होने के चलते चीन में परेशान किए जाने के मामले पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि भारत ने इस मामले पर चीन के सामने कड़ा विरोध जताया था। साथ ही उन्होंने कहा कि लोगों के आवागमन के लिए जो नियम कानून हैं, उनका पालन किया जाना चाहिए। बीते नवंबर में अरुणाचल प्रदेश की एक महिला ने चीन पर आरोप लगाया था कि भारतीय पासपोर्ट होने के चलते उनका चीन के हवाई अड्डे पर उत्पीड़न किया गया। महिला ने आरोप लगाया कि चीन के आव्रजन अधिकारियों ने उनके भारतीय पासपोर्ट को मानने से ही इनकार कर दिया था। अब इसे मुद्दे पर भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने अपनी

बात रखी। उन्होंने इसे चीन की चालबाजी करार दिया और सख्त लहजे में कहा कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न हिस्सा है और हमेशा रहेगा। इस तरह की चालबाजियों से जमीनी हकीकत नहीं बदलेगी।' जयशंकर बोले- अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न हिस्सा चेन्नई में आईआईटी मद्रास में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान अरुणाचल प्रदेश की महिला को कथित तौर पर चीन के आव्रजन अधिकारियों द्वारा शंघाई हवाई अड्डे पर उत्पीड़न किए जाने को लेकर सवाल किया गया। इस पर जयशंकर ने कहा, 'अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न हिस्सा है और हमेशा रहेगा। इस तरह की चालबाजियों से जमीनी हकीकत नहीं बदलेगी।' जयशंकर ने कहा, 'हमने इस मुद्दे पर चीन के सामने अपना विरोध दर्ज कराया था। साथ ही हमने साफ कह दिया कि इस तरह की चीजें करने से कुछ भी नहीं बदलने वाला। लेकिन यह एक बड़ा मुद्दा है और लोगों को आवागमन के लिए अंतरराष्ट्रीय नियम, कायदे-कानून हैं और हम चाहते हैं कि देश इनका सम्मान करें। हमारा इस मुद्दे पर दृढ़ रुख रहा।' विदेश मंत्री ने पाकिस्तान पर भी साधा निशाना कार्यक्रम के दौरान डॉ. जयशंकर से भारत की विदेश नीति को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, 'आपके पड़ोसी बुरे भी हो सकते हैं। अगर हम पश्चिम की तरफ देखें तो पता चलता है कि दुर्भाग्य से हमारे साथ भी ऐसा है।

'इंदौर में पानी नहीं, जहर बंटा... पीएम खामोश'

दूषित पानी के मामले पर राहुल गांधी ने साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। राहुल गांधी ने इंदौर में दूषित पानी से हुई मौतों के मुद्दे पर भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने एमपी की सरकार पर संवेदनहीन होने का आरोप लगाया और साथ ही इस पूरे मामले पर प्रधानमंत्री की चुप्पी पर भी सवाल उठाए। मध्य प्रदेश के इंदौर में दूषित पानी की वजह से हुई 15 मौतों के मामले में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने निशाना साधा। राहुल गांधी ने एक्स पर साझा पोस्ट में कहा, 'इंदौर में पानी नहीं, जहर बंटा और प्रशासन कुंभकर्णी नींद में रहा। घर-घर मातम है, गरीब बेबस हैं - और ऊपर से इखढ नेताओं के

अहंकारी बयान। जिनके घरों में चूल्हा बुझा है, उन्हें सांत्वना चाहिए थी; सरकार ने घमंड परोस दिया। लोगों ने बार-बार गंदे, बदबूदार पानी की शिकायत की - फिर भी सुनवाई क्यों नहीं हुई? राहुल गांधी ने पीएम मोदी की चुप्पी पर उठाए सवाल राहुल गांधी ने सवाल उठाते हुए कहा, 'सीवर पीने के पानी में कैसे मिला? समय रहते सप्लाई बंद क्यों नहीं हुई? जिम्मेदार अफसरों और नेताओं पर कार्रवाई कब होगी? ये फोकट सवाल नहीं - ये जवाबदेही की मांग है। साफ पानी एहसान नहीं, जीवन का अधिकार है और इस अधिकार की हत्या के लिए इखढ का डबल इंजन, उसका लापरवाह प्रशासन और संवेदनहीन नेतृत्व पूरी तरह ज़िम्मेदार है। मध्यप्रदेश अब कुप्रशासन का एपिसेंटर बन चुका है - कहीं खांसी की सिरप से मौतें, कहीं सरकारी अस्पताल में बच्चों की जान लेने वाले चूहे, और अब सीवर मिला पानी पीकर मौतें। और जब-जब गरीब मरते हैं, मोदी जी हमेशा की तरह खामोश रहते हैं।' कांग्रेस अध्यक्ष बोले- 11 साल से देश डबल इंजन की डींग सुन रहा है कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी इंदौर में दूषित पानी पीने से हुई मौतों के मुद्दे पर भाजपा सरकार को घेरा।

सेना कैंप में लगी अचानक आग, मची अफरा-तफरी, जवानों के साथ फायर सर्विस की टीम बुझाने में जुटी

चमोली (एजेंसी)। ज्योर्तिमठ में सेना कैंप में अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग काफी बड़े क्षेत्र में फैलने से बुझाने में काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। चमोली जिले के ज्योर्तिमठ में औली रोड के समीप सेना कैंप में अचानक भीषण आग लग गई। आग लगने से यहां अफरा-तफरी मच गई। सेना के जवानों के साथ ही फायर सर्विस की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने में जुट गई, लेकिन आग इतनी विकराल हो गई कि इसे बुझाने में

काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। सेना के कैंप में लगी आग काफी बड़े क्षेत्र में फैली है, जिसके कारण इसे बुझाने में जवानों और फायर सर्विस की टीम को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। मिली जानकारी के अनुसार यह सेना का स्टोर था, जिसमें प्लास्टिक का समान था। यहां खेत भी है जहां सुखी घास थी। तेज हवा चलने के कारण आग विकराल हो गई थी। अब धीरे-धीरे आग पर काबू पाने की कोशिश की जा रही है।

बल्लारी में राजनीतिक झड़प के बाद बढ़ाई गई सुरक्षा:बैनर लगाने को लेकर दो गुटों में हुआ विवाद, एक की मौत

बल्लारी (एजेंसी)। कर्नाटक के बल्लारी में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक जनार्दन रेड्डी और कांग्रेस विधायक भरत रेड्डी के समर्थकों के बीच बैनर लगाने को लेकर कथित तौर पर झड़प होने के एक दिन बाद शुक्रवार को क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ा दी गई। पुलिस के अनुसार, इस घटना में बृहस्पतिवार को एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, स्थिति को नियंत्रण में कर लिया गया है और अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात कर दिए गए हैं। फिलहाल स्थिति शांतिपूर्ण है और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए सभी एहतियाती उपाय किए गए हैं। सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में एक निजी सुरक्षाकर्मी कथित तौर पर हवा में गोली चलाते हुए दिख रहा है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, स्थिति पर नियंत्रण पा लिया गया है और अतिरिक्त सुरक्षा तैनात की गई है।

मोदी सरकार में पूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना खत्म होने के कगार पर पहुंची: कांग्रेस

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक

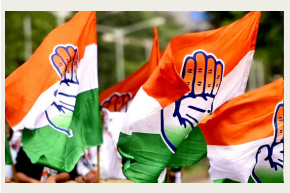

(कैग) की रिपोर्ट का हवाला देते हुए शुक्रवार को दावा किया कि नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा पैसे का उचित आवंटन नहीं करने के कारण पूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना (ईसीएचएस) खत्म होने के कगार पर पहुंच चुकी है। पार्टी के ह्यपूर्व सैनिक विभाग के प्रमुख कर्नल (सेवानिवृत्त) रोहित चौधरी ने सरकार से आग्रह किया कि इस योजना के लिए हर साल 14 हजार करोड़ रुपये की राशि आवंटित की जाए। चौधरी ने संवाददाताओं से कहा, जवानों को ये भरोसा रहता है कि सेवानिवृत्ति के बाद सरकार उनका और उनके परिवार का ध्यान रखेगी। लेकिन मोदी सरकार इस भरोसे के साथ खिलवाड़ करने की कोशिश कर रही है। 2003 में सरकार द्वारा पूर्व सैनिकों के लिए पूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना (ईसीएचएस) शुरू किया गया था। कहा गया था कि ये एक कैशलेस और कैपलेस योजना होगी। उन्होंने दावा किया कि कैग की रिपोर्ट में बताया गया है कि इतने दिनों में पूर्व सैनिकों की तादाद बढ़ती जा रही है, लेकिन सरकार ने उसके हिसाब से न कोई व्यवस्था बनाई और न ही पैसे का आवंटन बढ़ाया है। चौधरी का कहना है, कैग की रिपोर्ट बताती है कि सेना में जवानों की कमी है।

'मुकदमेबाजी निजी बदला लेने का जरिया नहीं', दहेज उत्पीड़न मामले में अदालत की 'सुप्रीम' टिप्पणी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि वैवाहिक विवाद में पति का पत्नी पर आर्थिक प्रभुत्व अपने आप में क्रूरता नहीं माना जा सकता। अदालत ने स्पष्ट किया कि आपराधिक मामलों का इस्तेमाल निजी बदले के लिए नहीं होना चाहिए। वैवाहिक विवादों से जुड़े मामलों में एक अहम टिप्पणी करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि पति का पत्नी पर आर्थिक या वित्तीय प्रभुत्व अपने आप में क्रूरता की श्रेणी में नहीं आता। शीर्ष अदालत ने कहा कि आपराधिक मुकदमेबाजी को निजी बदले या हिसाब चुकता करने का जरिया नहीं बनने दिया

जा सकता। यह टिप्पणी अदालत ने एक ऐसे मामले में की, जहां पति के खिलाफ क्रूरता और दहेज उत्पीड़न का मामला दर्ज कराया गया था। न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने पति की अपील स्वीकार करते हुए उसके खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द कर दिया। इससे पहले तेलंगाना हाईकोर्ट ने एफआईआर रद्द करने से इनकार कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के उस फैसले को पलटते हुए कहा कि लगाए गए आरोप कानूनी कसौटी पर खरे नहीं उतरते। क्रूरता की परिभाषा पर अदालत की टिप्पणी पीठ ने कहा कि पत्नी द्वारा लगाए गए आरोपों में पति का आर्थिक प्रभुत्व जरूर बताया गया है, लेकिन इससे किसी ठोस मानसिक या शारीरिक नुकसान का प्रमाण नहीं मिलता। अदालत ने कहा कि भारतीय समाज में अक्सर घरों में पुरुष वित्तीय मामलों में नियंत्रण रखते हैं, लेकिन केवल इसी आधार पर आपराधिक क्रूरता का मामला नहीं बनता। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि खर्च का हिसाब मांगना या पैसों के उपयोग की जानकारी लेना अपने आप में क्रूरता नहीं है। दैनिक वैवाहिक खटपट और कानून सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पति-पत्नी के बीच खर्चों को लेकर विवाद या तकरार विवाह के दैनिक उतार-चढ़ाव का हिस्सा हो सकता है।

बुलेट ट्रेन परियोजना में महाराष्ट्र के पालघर में पहले पर्वतीय सुरंग निर्माण कार्य में उल्लेखनीय सफलता मिली: अश्विनी वैष्णव

गोरखपुर: केंद्रीय रेल, सूचना और प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने मुंबई-अहमदाबाद तीव्र गति बुलेट ट्रेन परियोजना के तहत महाराष्ट्र के पालघर में पहली पर्वतीय सुरंग निर्माण में उल?लेखनीय सफलता मिलने की घोषणा की। पालघर जिले में सबसे लंबी सुरंग में से एक, लगभग डेढ़ किलोमीटर लंबी पर्वतीय सुरंग-एमटी-5, विरार और बोइसर बुलेट ट्रेन स्टेशनों के बीच स्थित है। एमटी-5 सुरंग की खुदाई दोनों सिरों से अत्याधुनिक ड्रिल और ब्लास्ट विधि से 18 महीने में पूरा किया गया। इस विधि से खुदाई में जमीन की वास्तविक समय में निगरानी हो सकती है और वास्तविक स्थल स्थिति के आधार पर शॉटक्रेट,

रॉक बोल्ट और लैटिस गर्डर जैसे सहायक प्रणालियां प्रयुक?त की जा सकती है। सुरंग निर्माण के दौरान, वायु-संचार, अग्नि सुरक्षा उपाय और उचित प्रवेश और निकास व्यवस्था सहित सभी आवश्यक सुरक्षा सावधानियों का पालन किया गया। इससे पहले, ठाणे और बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स के बीच लगभग 5 किलोमीटर लंबी पहली भूमिगत सुरंग का निर्माण सितंबर 2025 में पूरा हुआ था। मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल परियोजना कुल 508 किलोमीटर लंबी है, जिसमें सुरंगों की कुल लंबाई 27 दशमलव 4 किलोमीटर है। इनमें से 21 किलोमीटर भूमिगत सुरंगें और 6 दशमलव 4 किलोमीटर सतही सुरंगें हैं। परियोजना में आठ पर्वतीय सुरंग भी शामिल हैं, जिनमें कुल 6 दशमलव 05 किलोमीटर से अधिक लंबाई वाली सात महाराष्ट्र में हैं। बुलेट परियोजना में 350 मीटर लंबी एक सुरंग गुजरात में स्थित है। वैष्णव ने कहा कि बुलेट ट्रेन से रोजगार सृजित हो रहे हैं और इसके परिचालन के दौरान आर्थिक गतिविधियों को बढावा मिलेगा और अतिरिक्त अवसर उपलब्ध होंगे। रेल मंत्री ने कहा कि परियोजना पूरी होने पर मुंबई और अहमदाबाद के बीच यात्रा समय घटकर केवल 1 घंटा 58 मिनट रह जाएगा। इससे दो प्रमुख वाणिज्यिक केंद्रों की अर्थव्यवस्थाओं में सीधा संपर्क स्थापित होगा और वे एकीकृत हो जाएंगी। श्री वैष्णव ने कहा कि परियोजना कॉरिडोर से आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने, ज्ञान आदान-प्रदान और नए औद्योगिक और आईटी केंद्र विकसित होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि इससे दीर्घकालिक आर्थिक लाभ के साथ ही मध्यम वर्ग की आरामदायक और सस्ते दर पर यात्रा आकांक्षाएं पूरी होंगी। रेल मंत्री ने बल देकर कहा कि परियोजना पूरी होने के बाद, सड़क परिवहन की तुलना में कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में लगभग 95 प्रतिशत की कमी आएगी। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के तहत महाराष्ट्र में सात पर्वतीय सुरंगों पर काम चल रहा है। 820 मीटर लंबी एमटी-1 का 15 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा हो गया है, जबकि 228 मीटर लंबी एमटी-2 पर आरंभिक कार्य चल रहा है। 1,403 मीटर लंबी एमटी-3 का 35.5 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा हो गया है और 1,260 मीटर लंबी एमटी-4 के निर्माण का 31 प्रतिशत काम पूर्ण हुआ है। इन सभी पर्वतीय सुरंगों में सबसे लंबी 1,480 मीटर, लगभग डेढ़ किलोमीटर लंबी एमटी-5 में 2 जनवरी 2026 को दोनों सिरे से खुदाई द्वारा 55 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा करने में सफलता मिली है। साथ ही 454 मीटर लंबी एमटी-6 का 35 प्रतिशत और 417 मीटर लंबी एमटी-7 का 28 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा हुआ है।

संक्षिप्त खबरें

पूर्वोत्तर रेलवे को स्क्रैप निस्तारण के फलस्वरूप तृतीय तिमाही में कुल रू. 145 करोड़ से अधिक की आय

गोरखपुर,: पूर्वोत्तर रेलवे प्रशासन स्क्रैप निस्तारण के क्षेत्र में निरन्तर उल्लेखनीय प्रदर्शन कर रहा है। स्क्रैप निस्तारण से रेल राजस्व की प्राप्ति के साथ ही पर्यावरण संरक्षण की दिशा में किये जा रहे प्रयासों को गति मिली है। स्क्रैप निस्तारण के परिणामस्वरूप रेल परिसर एवं रेल लाइनों के किनारे पड़ी निराकृत सामग्रियों के निस्तारण से ये स्थल स्वच्छ एवं साफ-सुथरे हो रहे हैं। वर्तमान वित्त वर्ष 2025-26 के तृतीय तिमाही में माह दिसम्बर, 2025 तक ह्यमिशन जीरो स्क्रैपह्य के तहत स्क्रैप निस्तारण से रू. 146.19 करोड़ की आय हुई है तथा माह दिसम्बर, 2025 में स्क्रैप निस्तारण से रू. 22.26 करोड़ की आय हुई है। भारत सरकार के महत्वाकांक्षी कार्यक्रम ह्यस्वच्छ भारत मिशनह्य के तहत रेल परिसरों तथा रेल पटरियों के किनारे पड़े हुये निष्प्रयोज्य सामग्री, परित्यक्त इमारतों एवं आवासों की पहचान कर निस्तारण किया गया है, जिससे रेल राजस्व प्राप्त होने के साथ ही रेल परिसर तथा रेल पटरियों को स्वच्छ रखने में भी सफलता मिली है।

शॉर्ट टर्मिनेशन/शॉर्ट ओरिजिनेशन निम्नवत किया जायेगा

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा माघ मेला के अवसर पर श्रद्धालु यात्रियों की भीड़ को ध्यान में रखते हुये गाड़ियों का शॉर्ट टर्मिनेशन/शॉर्ट ओरिजिनेशन निम्नवत किया जायेगा।

शॉर्ट टर्मिनेशन-

-गाजीपुर सिटी से 02, 03, 04, 13, 14, 15, 17, 18, 19, 22, 23, 24, 31 जनवरी तथा 01, 02, 14, 15 एवं 16 फरवरी, 2026 को चलने वाली 65117 गाजीपुर सिटी-प्रयागराज संगम मेमू गाड़ी प्रयागराज संगम के स्थान पर फाफामऊ स्टेशन में यात्रा समाप्त करेगी।

-मनकापुर से 02, 03, 04, 13, 14, 15, 17, 18, 19, 22, 23, 24, 31 जनवरी तथा 01, 02, 14, 15 एवं 16 फरवरी, 2026 को चलने वाली 14234 मनकापुर-प्रयागराज संगम एक्सप्रेस प्रयागराज संगम के स्थान पर प्रयाग स्टेशन में यात्रा समाप्त करेगी।

-बस्ती से 02, 03, 13, 14, 17, 19, 23, 24, 31 जनवरी तथा 02, 14 एवं 16 फरवरी, 2026 को चलने वाली 14232 बस्ती-प्रयागराज संगम एक्सप्रेस प्रयागराज संगम के स्थान पर प्रयाग स्टेशन में यात्रा समाप्त करेगी।

शॉर्ट ओरिजिनेशन-

-प्रयागराज संगम से 02, 03, 04, 13, 14, 15, 17, 18, 19, 22, 23, 24, 31 जनवरी तथा 01, 02, 14, 15 एवं 16 फरवरी, 2026 को चलने वाली 14233 प्रयागराज संगम-मनकापुर एक्सप्रेस प्रयागराज संगम के स्थान पर प्रयाग स्टेशन से चलाई जायेगी।

-प्रयागराज संगम से 02, 03, 13, 14, 17, 19, 23, 24, 31 जनवरी तथा 02, 14 एवं 16 फरवरी, 2026 को चलने वाली 14231 प्रयागराज संगम-बस्ती एक्सप्रेस प्रयागराज संगम के स्थान पर प्रयाग स्टेशन से चलाई जायेगी।

गन्ना लदा ओवरलोड ट्रक पलटा

बभनान। चीनी मिल पर गन्ना लेकर जा रहा ट्रक बेकाबू होकर भनान रेलवे-स्टेशन चौराहे पर एक स्कूल के पास बुधवार की रात पलट गया। हादसे के बाद सड़क के दोनों तरफ जाम लग गया। मौके पर पहुंची पुलिस व स्थानीय लोगों के सहयोग से सड़क पर फैले गन्ने को किनारे किया गया, तब जाकर यातायात बहाल हुआ। जानकारी के अनुसार, बुधवार की रात करीब 11 बजे बभनान रेलवे स्टेशन के पीछे चीनी मिल मार्ग से गन्ना लेकर आ रहा ट्रक एक स्कूल के गेट के पास अचानक सड़क पर पलट गया। ट्रक के पलटते ही गन्ना सड़क पर फैल गया। स्थानीय लोगों का कहना था कि शुक्र था कि कोई गन्ना लदे ओवरलोड ट्रक की चपेट में नहीं आया। लोगों की सूचना पर पहुंची बभनान पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से सड़क पर फैले गन्ने को किनारे कराया। बृहस्पतिवार की सुबह फैले गन्ने को दूसरी गाड़ी पर लादकर चीनी मिल पहुंचाया गया। इस संबंध में चौकी प्रभारी बभनान घनश्याम वर्मा ने बताया कि गन्ना लदा ट्रक पर पलट गया था। सुबह गन्ने को दूसरे साधन से चीनी मिल भेजा गया है।

हस्तशिल्प मेला में कारोबारियों की भरमार, उत्पादों की लगी प्रदर्शनी

बस्ती। सक्सेरिया इंटर कॉलेज में बृहस्पतिवार को हस्तशिल्पी मेला में चहल- पहल बढ़ी रही। स्थानीय स्तर से लेकर बाहर तक के कारोबारी यहां अपने उत्पादों का प्रदर्शन करने पहुंचे हैं। आम लोग इसे खूब पसंद भी कर रहे हैं। खादी ग्रामोद्योग विभाग के तत्वावधान में हस्तशिल्पी प्रदर्शनी लगवाई गई है। इसमें अचार, मुरब्बा, आयुर्वेदिक औषधि से लेकर काष्ठ शिल्पी, बेत के कुर्सी, डाइनिंग टेबल, हाथ के बने ट्रे, किचेन शेट आदि उत्पादों की भरमार है। हैंडलूम कपड़ों की प्रदर्शनी लगाई गई है। मेले में पहुंच रहे लोग कारोबारियों से मोलभाव कर इन उत्पादों की खरीदारी भी कर रहे हैं। शहर के रौता चौराहा निवासी अजय श्रीवास्तव ने बताया कि उन्होंने काष्ठ शिल्पी की वस्तुओं की खरीदारी की है। घरों में सजाने के लिए लकड़ी के डिजाइनयुक्त मछली, एवं अन्य आकृतियों के सामान खूब पसंद आ रहे हैं। कारोबारी भी बिक्री देखकर उत्साहित है।

मानक विहीन सड़क निर्माण की डीएम से की शिकायत

बस्ती। शहर के डफाली टोला में डूडा की तरफ से सड़क निर्माण कराया जा रहा है। मोहल्ले के लोगों ने विहीन सड़क निर्माण का आरोप लगाते हुए डीएम से शिकायत की। साथ ही, नाली निर्माण कराने व अवैध कब्जे को हटाने की मांग की है। टोले के सोमनाथ सोनकर ने डीएम कृत्तिका ज्योत्सना को शिकायती पत्र देकर बताया है कि जिला नगरीय विकास अभिकरण डूडा की तरफ से सड़क का निर्माण कराया जा रहा है। इसमें गुणवत्ता का ध्यान नहीं रखा गया है। ऐसे में सड़क जल्द ही खराब हो जाएगी। दोयम दर्जे के ईंट लगाए जा रहे हैं। इस पर किसी अधिकारी का ध्यान नहीं जा रहा है। यह भी कहा कि टोले में जल निकासी की व्यवस्था नहीं है। ऐसे में नाली निर्माण की आवश्यकता है। सड़क के साथ नाली निर्माण कराया जाए। आरोप लगाया कि कुछ जगह पर सड़क की पटरी को मनबढ़ लोगों ने कब्जा कर लिया है, इसलिए सड़क सकरी हो गई है। डीएम ने मामले की जांच कराने का आश्वासन दिया है।

सड़क सुरक्षा माह का डीएम ने किया शुभारंभ

फोटोबस्ती। सड़क सुरक्षा माह के तहत बृहस्पतिवार को कलक्ट्रेट परिसर में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। डीएम कृत्तिका ज्योत्सना ने प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। डीएम पे आमजन से यातायात नियमों का पालन करने, हेलमेट एवं सीट बेल्ट के प्रयोग तथा सुरक्षित वाहन संचालन की अपील की।

माघ मेले में आयुर्वेद का महायज्ञ

श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य की रक्षा को खुले आयुर्वेद चिकित्सालय

प्रयागराज। आस्था, सेवा और स्वास्थ्य के संगम माघ मेले में प्राचीन भारतीय चिकित्सा पद्धति आयुर्वेद ने एक बार फिर अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई है। राष्ट्रीय आयुष मिशन, उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में माघ मेला

क्षेत्र में आयुर्वेद चिकित्सालयों का भव्य शुभारंभ किया गया, जिससे लाखों श्रद्धालुओं एवं साधु-संतों को निःशुल्क और प्रभावी चिकित्सा सुविधाएँ उपलब्ध होंगी। किला रोड स्थित सेक्टर-3 में आयुर्वेद चिकित्सालय का उद्घाटन माननीय विधायक फाफामऊ श्री गुरु प्रसाद मौर्य एवं क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी प्रयागराज डॉ. मनोज कुमार सिंह द्वारा दीप प्रज्वलन तथा भगवान धन्वंतरि व माँ भारती के चित्र पर माल्यार्पण के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर विधायक गुरु प्रसाद मौर्य ने कहा कि महाकुंभ और माघ मेले जैसे विशाल आयोजनों में आयुष विभाग की भूमिका अत्यंत सराहनीय रही है, आयुर्वेद जन-जन के स्वास्थ्य की रीढ़ है। वहीं सेक्टर-5, काली मार्ग, कल्पवासी थाना के समीप आयुर्वेद चिकित्सालय का शुभारंभ राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय हंडिया के पूर्व प्रधानाचार्य एवं विश्व आयुर्वेद मिशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) जी. एस. तोमर द्वारा किया गया। प्रो. डॉ. तोमर ने कहा कि माघ मेले में आने वाले श्रद्धालुओं की आयुर्वेद में स्वाभाविक आस्था है। यह चिकित्सा पद्धति शरीर, मन और आत्मा–तीनों को संतुलित करती है। आयुष राज्य मंत्री डॉ. दयाशंकर मिश्र दयालु के संरक्षण में माघ मेला क्षेत्र में संचालित आयुर्वेदिक एवं होम्योपैथिक चिकित्सालयों के माध्यम से श्रद्धालुओं एवं साधु-संतों को निरंतर चिकित्सा, परामर्श एवं औषधि सुविधा प्रदान की जा रही है। क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. मनोज कुमार सिंह ने बताया कि माघ मेले में अब तक चार आयुर्वेद चिकित्सालय सक्रिय हो चुके हैं, जहाँ अनुभवी चिकित्सकों की टीम द्वारा निःशुल्क उपचार एवं स्वास्थ्य परामर्श दिया जा रहा है। इस अवसर पर आयुर्वेद मेला प्रभारी डॉ. हेमंत कुमार सिंह, वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. अशोक कुशवाहा, डॉ. संदीप पाण्डेय, डॉ. अवनीश पाण्डेय, डॉ. विवेक द्विवेदी, सतीश चंद्र दुबे, दिनेश कुमार दुबे, जिला कार्यक्रम प्रबंधक डॉ. एच. के. मिश्रा, संजय पाण्डेय, मुक्तेश मोहन शुक्ला, योग प्रशिक्षक अरुणेश मित्रा, शिव कुमार सहित आयुष विभाग का स्टाफ उपस्थित रहा।

शासन ने स्वीकृत नहीं किया स्टाफ, उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित नहीं

कानपुर। जीएसवीएम प्राचार्य ने फरवरी तक बर्न वार्ड चालू करने की बात कही है, लेकिन स्टाफ की कमी और उपकरणों की अनुपलब्धता से इस लक्ष्य को पूरा करना मुश्किल नजर आ रहा है। कानपुर में जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. संजय काला ने दावा किया है कि फरवरी तक हैलट बर्न वार्ड चालू कर दिया जाएगा। हालांकि अभी यह दूर की कौड़ी लग रहा है क्योंकि स्टाफ तक शासन ने स्वीकृत नहीं किया है। इसके अलावा ओटी और आईसीयू के उपकरण तक नहीं आए हैं। हैलट के बर्न वार्ड की दीवारों की साफ-सफाई शुरू कर दी गई है। प्राचार्य का कहना है कि रोगी कल्याण समिति और दूसरे मद से भवन में जो कमियां रह गई हैं, उसे पूरा करवा लेंगे। इसके साथ दी किसी दानदाता की मदद ले लेंगे। बता दें कि अस्पताल के बर्न वार्ड को प्लास्टिक सर्जरी विभाग के रूप में स्थापित किया जाना है। सर्जरी विभाग के पास इस समय दो प्लास्टिक सर्जन भी हैं, लेकिन इसके लिए स्टाफ की जरूरत है, जो अभी तक शासन ने स्वीकृत नहीं किया है। इसमें डॉक्टर, स्टाफ नर्स, पैरा मेडिकल स्टाफ

मिला कर 95 लोग हैं। इनमें लगभग आधा स्टाफ आउटसोर्सिंग का रहेगा। स्टाफ की अभी तक तैनाती नहीं की शासन ने अभी तक आउटसोर्स के स्टाफ की नियुक्ति के संबंध में मेडिकल कॉलेज प्रबंधन को अनुमति नहीं दी है। जब तक स्टाफ नहीं आएगा, बर्न वार्ड पूरी तरह चालू नहीं किया जा सकता। हैलट के स्टाफ से इसे फौरी तौर पर शुरू जरूर किया जा सकता है। इसके साथ ही प्रशिक्षित डॉक्टरों और नर्स स्टाफ की भी जरूरत रहेगी। शासन ने स्टाफ को मंजूरी दे दी, लेकिन अभी तक तैनाती नहीं की है। इसकी प्रक्रिया पूरी होने में कितना वक्त लगेगा, अभी यह भी तय नहीं है। सबसे अहम बात उपकरणों की है। स्टाफ की नियुक्तियों और उपकरणों के लिए कोशिश कर रहे अभी तक बर्न वार्ड के उपकरण भी नहीं आए हैं। बर्न वार्ड में रोगियों के लिए अलग विशिष्ट आईसीयू की भी व्यवस्था है। इसके लिए आईसीयू से संबंधित उपकरणों की भी जरूरत होगी। इसके साथ ओटी के उपकरण भी अलग से आएंगे। इनकी उपलब्धता कब तक सुनिश्चित हो पाएगी। यह भी तय नहीं हो पाया है। इस वर्ष में यह सब संभव हो पाएगा कि नहीं यह सवाल अब भी बना हुआ है। प्राचार्य डॉ. काला का कहना है कि वह स्टाफ की नियुक्तियों और उपकरणों के लिए कोशिश कर रहे हैं।

सिगरा स्टेडियम में देशभर से 1022 खिलाड़ी लेंगे हिस्सा

वाराणसी। वाराणसी में चार जनवरी से सिगरा स्टेडियम के चार कोर्ट पर सीनियर नेशनल वॉलीबॉल का महाकुंभ शुरू होगा। आठ दिवसीय प्रतियोगिता में देश की 73 टीमों के 1022 महिला-पुरुष खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। वॉलीबॉल खेल महाकुंभ सिगरा के डॉ. संपूर्णानंद स्टेडियम में चार जनवरी से शुरू होगा। इसमें हिस्सा लेने के लिए देशभर के खिलाड़ियों का दल बनारस पहुंचेगा। इसी क्रम में राष्ट्रीय टीम में हिस्सा लेने आए खिलाड़ियों का ट्रायल सिगरा स्टेडियम में हुआ। शिविर में हिस्सा ले रहे बालक-बालिका वर्ग के 18 खिलाड़ी आगामी राष्ट्रीय प्रतियोगिता में खेलेंगे। 73 टीमों के 1022 खिलाड़ियों को अलग-अलग होटलों में ठहराया जाएगा। यूपी टीम के खिलाड़ियों की अंतिम रूप से चयनित खिलाड़ियों की सूची शुक्रवार को जारी होगी। राष्ट्रीय प्रतियोगिता 4 से 11 जनवरी तक खेली जाएगी। यूपी की राष्ट्रीय शिविर में शामिल महिला और पुरुष वर्ग के खिलाड़ी शिविर में प्रशिक्षण ले रहे हैं। चयन परीक्षण के दौरान आयोजन समिति के सदस्य मौजूद रहे। जिला सचिव सर्वेश पांडेय ने बताया कि हर खिलाड़ी को अपना हुनर दिखाने का पूरा मौका दिया जा रहा है ताकि उत्तर प्रदेश की टीम बेहतर प्रदर्शन करे। 18 खिलाड़ी चयन परीक्षण में हिस्सा ले रहे हैं। दक्षिण और उत्तर भारत के खिलाड़ी वॉलीबॉल में बढ़िया प्रदर्शन करते हैं। गति वाले खिलाड़ी ज्यादातर दक्षिण भारत जबकि ताकत वाले खेल में उत्तर भारत के खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन करते हैं। हमारी टीम में हर पोजीशन के लिए बेहतर खिलाड़ी हैं। स्टेडियम में खिलाड़ियों का प्रवेश होगा निशुल्क मेयर अशोक कुमार तिवारी ने बताया कि चैंपियनशिप में प्रवेश निशुल्क होगा। दर्शकों को चेकिंग के बाद ही स्टेडियम में प्रवेश दिया जाएगा। दर्शक आसानी से

प्रवेश कर सकें इसकी तैयारी की गई है। चैंपियनशिप के दौरान टीमों के खिलाड़ियों को चरणबद्ध तरीके से काशी दर्शन कराया जाएगा। चैंपियनशिप में खिलाड़ियों को बनारसी नाश्ता भी परोसा जाएगा। देशभर से आए खिलाड़ियों को किसी तरह की परेशानी न हो इस के लिए हर टीम के साथ स्थानीय प्रबंधक लगाए जाएंगे। फुटबॉल मैदान में बन रहा वॉलीबॉल कोर्ट राष्ट्रीय प्रतियोगिता चार कोर्ट पर खेली जाएगी। दो कोर्ट इंडोर में और दो आउटडोर फुटबॉल मैदान पर बनेंगे। वॉलीबॉल मैदान तैयार करने के लिए फुटबॉल मैदान से घास को हटाने का काम शुरू हो गया है। शनिवार तक मिट्टी का मैदान बनकर तैयार हो जाएगा। इंडोर में टेराफ्लेक्स से कोर्ट तैयार करने के लिए उत्तराखंड से मैट मंगाई गई है।

वॉर रूम का निरीक्षण करते हुये महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर श्री उदय बोरवणकर साथ में वरिष्ठ अधिकारी

गोरखपुर, : महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर श्री उदय बोरवणकर ने 02 जनवरी, 2026 को माघ मेला के परिप्रेक्ष्य में ट्रेनों के संचलन की निगरानी एवं भीड़ प्रबन्धन हेतु मुख्यालय, गोरखपुर स्थित नियंत्रण कक्ष में बनाये गये वॉर रूम में पहुँचकर प्रयागराज रामबाग एवं झूसी स्टेशनों पर भीड़ प्रबन्धन हेतु किये गये उपायों की समीक्षा की तथा सम्बन्धित अधिकारियों को स्टेशनों पर यात्रियों की संख्या को देखते हुये पर्याप्त संख्या में रेलवे सुरक्षा बल

(आर.पी.एफ.), वाणिज्य एवं अन्य कर्मचारियों को लगाये जाने का निर्देश दिया ताकि स्टेशन पर यात्रियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। इस अवसर पर सचिव/महाप्रबन्धक श्री आनन्द ऋषि श्रीवास्तव, परिचालन, वाणिज्य तथा सिगनल एवं दूर संचार के वरिष्ठ रेल अधिकारी उपस्थित थे। महाप्रबन्धक ने प्रयागराज रामबाग एवं झूसी स्टेशनों पर निगरानी हेतु लगाये गये सी.सी.टी.वी. का गहनता से अवलोकन किया।

नए साल पर बाइक से निकले थे दो दोस्त सड़क किनारे अचेत मिले एक की मौत

बलिया। बलिया में नए साल पर बुलेट बाइक से दो दोस्त घर से निकले थे। दोनों अलग- अलग जगह पर अचेत अवस्था में मिले। इनमें से एक को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। बलिया जिले के सहतवार थाना क्षेत्र में नए साल पर घर से निकले दो दोस्त अचेत अवस्था में मिले। जिसमें से एक की मौत हो गई, जबकि दूसरे के होश में आने का इंतजार है। बृहस्पतिवार की रात में दोनों दोस्त साथ में निकले थे। एक युवक रात में ही शराब की दुकान के पास मिला, जबकि दूसरा शुक्रवार की सुबह में मिला। क्या है पूरा मामला थाना क्षेत्र के बहुआरा गांव निवासी प्रदीप तिवारी (27) दोस्त राहुल तिवारी (26) के साथ बृहस्पतिवार की देर रात बुलेट बाइक से हल्दी से अपने गांव बहुआरा जा रहा था। इस दौरान शराब की दुकान से 100 मीटर उत्तर राहुल सड़क किनारे घायलावस्था में पुलिस को मिला। पुलिस ने जांच पड़ताल कर उसके पास मिले कागजात के आधार पर परिजनों को घटना की सूचना देते हुए इलाज के लिए जिला अस्पताल भिजवा दिया। जहां से चिकित्सकों ने उसे वाराणसी के लिए रेफर कर दिया। राहुल के घायल होने की खबर पर प्रदीप के परिजनों की चिंता बढ़ गई। ग्रामीणों ने घटनास्थल पर काफी खोजबीन की लेकिन प्रदीप नहीं मिला। शुक्रवार की भोर में करीब साढ़े पांच बजे सड़क से 20 मीटर अंदर प्रदीप अचेत अवस्था में मिला। परिजनों ने एंबुलेंस के माध्यम से उसे भी जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। प्रदीप के मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया।

ठंड से बचाने के लिए मां ने ओढ़ाई थी रजाई दम घुटने से गई जान

वाराणसी। वाराणसी में एक दर्दनाक घटना सामने आई। रजाई में दम घुटने से एक दुधमुंहे बच्चे की मौत हो गई। घटना से परिवार में कोहराम मत गया। वाराणसी जिले के मिजार्मुराद क्षेत्र के बेनीपुर गांव में शुक्रवार की सुबह 25 दिन के दुधमुंहे बच्चे का रजाई के अंदर दम घुटने से मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में चीख-पुकार मच गई। रोने की आवाज सुनकर आसपास के लोगों की भारी भीड़ जुट गई। घटना को लेकर लोग तरह- तरह की चर्चा करने लगे। क्या है पूरा मामला बेनीपुर निवासी राहुल कुमार के साथ सुधा देवी की शादी लगभग दो वर्ष पूर्व हुई थी। उनका पहला संतान बेटा पैदा हुआ तो परिवार में काफी खुशी का माहौल रहा। जन्म के बाद बरही और मंगलगान के साथ खुशियों का माहौल चल ही रहा था कि गुरुवार की देर रात में खुशियों पर विराम लग गया। परिजनों के अनुसार ठंड से बचाव के लिए मां ने अपने बच्चे को दूध पिलाने के बाद रजाई ओढ़ाकर सुला दिया और खुद भी सो गई। सुबह जब उठी तो बच्चा उठाने पर कोई हरकत नहीं कर रहा था। आनन-फानन उसने अपने पति को बुलाया। इसके बाद परिजन तत्काल बच्चे को लेकर मोहनसराय स्थित एक निजी अस्पताल पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने बच्चे को मृत घोषित कर दिया। इस पर मां अचेत हो गई। पूरे परिवार में चीख- पुकार मच गई। घर पहुंचते ही लोगों की भीड़ जुट गई। मां की चीत्कार सुनकर मौके पर मौजूद लोगों की आंखें भर आईं। बच्चे के पिता राहुल कुमार ने बताया कि शादी के दो साल बाद पहले संतान की प्राप्ति से घर में खुशी का माहौल था।

आईपीएल से पहले गुजरात टाइटंस को लग सकता है बड़ा झटका

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 से पहले गुजरात टाइटंस को तगड़ा झटका लग सकता है। स्टार ओपनर साई सुदर्शन चोटिल हो गए हैं। गुजरात टाइटंस के सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन विजय हजारे ट्रॉफी मैच के दौरान चोटिल हो गए। उनकी पसली में चोट लगी जिसके बाद उन्हें भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सेंटर ऑफ एक्सिलेंस (सीओई) में भर्ती कराया गया। बता दें कि, सुदर्शन विजय हजारे ट्रॉफी में तमिलनाडु के लिए खेल रहे हैं। 26 दिसंबर को मध्य प्रदेश के खिलाफ मुकाबले के दौरान वह चोटिल हो गए थे। 6-8 हफ्तों के लिए बाहर हो सकते हैं सुदर्शन समाचार एजेंसी पीटीआई ने बीसीसीआई सूत्र के हवाले से बताया कि साई सुदर्शन को विजय हजारे ट्रॉफी के दौरान पसली में फ्रैक्चर हो गया है, जिसके चलते वह छह से आठ हफ्तों तक क्रिकेट से दूर रह सकते हैं। तमिलनाडु और मध्य प्रदेश के बीच अहमदाबाद में खेले गए

आम मरीज की पहुंच से दूर पीएमश्री एयर एम्बुलेंस सेवा

अब तक सिर्फ वीआईपी मरीजों को मिला लाभ

■ ग्वालियर

गंभीर रूप से बीमार और आपातकालीन मरीजों को समय रहते उच्च स्तरीय उपचार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुरू की गई पीएमश्री एयर एम्बुलेंस सेवा जिले में आमजन की पहुंच से बाहर नजर आ रही है। शासन-प्रशासन यद्यपि इस सेवा को संवेदनशील और दूरदर्शी स्वास्थ्य नीति का उदाहरण बता रहा है, लेकिन जमीनी सच्चाई कुछ और ही है। जिले से अब तक जिन चार मरीजों को एयर एम्बुलेंस के माध्यम से दिल्ली भेजा गया है, वे सभी वीआईपी श्रेणी से जुड़े रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि आज दिन तक एक भी आयुष्मान योजना के पात्र मरीज को इस सेवा का लाभ नहीं मिल सका है।

जानकारी के अनुसार पीएमश्री एयर एम्बुलेंस सेवा का उद्देश्य यह था कि गंभीर हालत में मौजूद मरीजों को समय की बर्बादी किए बिना बड़े और उच्च स्तरीय अस्पतालों तक पहुंचाया जा सके। खासतौर पर आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को यह सुविधा निःशुल्क प्रदान करने की घोषणा की गई थी, ताकि आर्थिक कमजोरी किसी के इलाज में बाधा न बने। लेकिन जिले में इस सेवा का लाभ केवल चुनिंदा लोगों तक ही सीमित होकर रह गया है। आंकड़ों के अनुसार अब तक जिले से चार मरीजों को एयर एम्बुलेंस के जरिए दिल्ली भेजा गया है। इनमें या तो स्वयं जनप्रतिनिधि शामिल थे या फिर उनके परिजन। इससे यह सवाल खड़ा होने लगा है कि क्या पीएमश्री एयर एम्बुलेंस सेवा वास्तव में आम मरीजों के लिए है या फिर केवल माननीयों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए ही उपलब्ध है। आमजन और आयुष्मान कार्डधारी मरीजों को गंभीर स्थिति में भी इस सुविधा से वंचित रहना पड़ रहा है।

दिल्ली में आयुष्मान से अस्पताल नहीं संबद्ध

यदि किसी आयुष्मान मरीज को दिल्ली एयर एम्बुलेंस से भेजना हो, तो पहले दिल्ली के आयुष्मान संबद्ध अस्पताल से इलाज की स्वीकृति लेना अनिवार्य है। लेकिन दिल्ली में अभी तक आयुष्मान योजना से अस्पताल संबद्ध नहीं होने के कारण आयुष्मान मरीजों को इस सेवा का लाभ नहीं मिल पा रहा है।

किसी भी शासकीय अस्पताल से मरीज नहीं हुआ रेफर

जिले से अब तक जिन चार मरीजों को पीएमश्री एयर एम्बुलेंस सेवा के माध्यम से दिल्ली भेजा गया है, वे सभी निजी अस्पतालों में भर्ती थे। चौंकाने वाली बात यह है कि जिले के किसी भी शासकीय अस्पताल से अभी तक एक भी मरीज को एयर एम्बुलेंस सेवा का लाभ नहीं मिल पाया है। शहर के जिन निजी अस्पतालों से मरीजों को एयर एम्बुलेंस द्वारा उच्च स्तरीय उपचार के लिए दिल्ली रेफर किया गया है, उनमें ग्लोबल हॉस्पिटल, अपोलो हॉस्पिटल, बिरला अस्पताल एवं यशोदा हॉस्पिटल शामिल हैं।

संक्षिप्त समाचार

क्लब सदस्यों ने की मस्ती

ग्वालियर। जेंटलमेंस क्लब द्वारा नववर्ष का आयोजन किया गया। जिसमें क्लब सदस्यों ने परिवार सहित खूब मस्ती की और कपल प्रतियोगिताओं में बढ़चढ़कर भाग लिया। सभी सदस्यों ने डीजे पर नृत्य किया। विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। इस मौके पर उमेश दुबे, अशोक चौधरी, सुनील जाट, विक्की चंददानी, गोपाल लखेरा, अनूप तिवारी, कपिल कलानी, बबलू अग्रवाल उपस्थित रहे। संचालन राघवेंद्र सिंह ने किया।

भाविप ने बांटे गर्म कपड़े

ग्वालियर। भारत विकास परिषद शाखा समर्पण द्वारा नव वर्ष पर महाराज बाड़ा क्षेत्र में जरूरतमंद लोगों को गर्म वस्त्र- टोपी, दस्ताने, मौजे, कान की पट्टी और कंबल आदि का वितरण किया। इस मौके पर अरविंद दूदावत, कैलाश अग्रवाल, महेश धीमान, महेश जैसवाल, अशोक पमनानी आदि उपस्थित रहे।

मेला से प्रदर्शनी हटाने का विरोध

ग्वालियर। कांग्रेस के गांधीवादी संगम द्वारा मेला में लगाई प्रदर्शनी को मंगलवार 31 दिसंबर को रात में हटाए जाने का कांग्रेस ने विरोध किया है। शहर कांग्रेस अध्यक्ष सुरेंद्र यादव ने कहा कि 31 दिसंबर की रात्रि लगभग 8 बजे मेला में एसडीएम और मेला सचिव ने पुलिस बल के जरिए प्रदर्शनी में लगे बेनर पोस्टर फाड़ दिए। जिसमें संविधान निर्माता बाबा साहब और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के चित्र आदि थे। देश की आजादी के आन्दोलन में हिस्सा लेने वाले महापुरुषों, क्रांतिकारियों की गांधी अम्बेडकर प्रदर्शनी का उद्घाटन विधिवत 28 दिसंबर को हुआ था।

सेवा पर्व के रूप में मनाया सिंधिया का जन्मदिन

आतिशबाजी कर 201 किलो लड्डू बांटे

■ ग्वालियर

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का जन्मदिन गुरुवार को सेवा पर्व के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर कई कार्यक्रम आयोजित किए गए।महाराज बाड़ा पर एक विशाल केक काटा गया। एसएसएफ बैंड की सुमधुर धुनों के बीच आतिशबाजी कर 201 किलो लड्डुओं का वितरण किया गया। पूर्व विधायक रमेश अग्रवाल की अगुवाई में आयोजित कार्यक्रम में संत कृपाल सिंह, मंत्री नारायण सिंह कुशवाह, सभापति मनोज तोमर, रामवरण गुर्जर, विजय गर्ग, डॉ .वीरेंद्र गंगवाल, किशन मुदगल, सुरेंद्र शर्मा, अशोक शर्मा, नवीन यामिनी परांडे, संजीव अग्रवाल (कुक्कू) सुधीर गुप्ता, बाल खांडे, गुड्डू वारसी, रामनारायण मिश्रा, उमाशंकर सोनी, सतेन्द्र शर्मा, रुचिका श्रीवास्तव, प्रियंका गर्ग,ऊषा चौहान सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

अमर कुटे ने की पदयात्रा

श्री सिंधिया के जन्मदिवस पर दीर्घायु की कामना लेकर स्वामी विवेकानंद मंडल के अध्यक्ष अमर कुटे ने गोरखी देवघर से पूजा करके ग्राम सातऊं शीतला माता मंदिर तक की 21 किलोमीटर पदयात्रा की।

व्हीलचेयर व वॉकर वितरित

स्वर्ग सदन आश्रम में भाजपा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य आशीष प्रताप सिंह राठौड़ ने व्हीलचेयर, छड़ी, बैसाखी व वॉकर वितरित किए। कार्यक्रम में पूर्व मेला अध्यक्ष प्रशांत गंगवाल, तुलसी मानस प्रतिष्ठान के अध्यक्ष अभय पापरीकर, रेडक्रॉस सोसायटी के सचिव नवल किशोर शुक्ला, आश्रम संचालक विकास गोस्वामी एवं समाजसेवी अरविंद रत्नाकर मंचासीन रहे। संयोजक आशीष प्रताप सिंह राठौड़ ने दिव्यांग जनों को अंग वस्त्र पहनकर व्हीलचेयर, छड़ी, बैसाखी, वॉकर व अन्य उपकरण वितरित किए। इस अवसर पर सोनू अस्थाना, चांद खां, प्रदीप अग्रवाल, आकाश चौहान, आनंद कदम, फैजान बेग, पवन सूर्यवंशी, छाया शिवहरे, आकाश श्रीवास, प्रिंस खटीक आदि उपस्थित रहे।

सुन्दरकाण्ड पाठ का आयोजन

पूर्व विधायक मुन्नालाल गोयल के नेतृत्व में गोयल वाटिका में सुंदरकांड पाठ किया गया । जिसमें बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं एवं गणमान्यजनों ने भाग लिया । इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया, पूर्व सांसद विवेक नारायण शेजवलकर, सभापति मनोज तोमर, प्रदेश मंत्री लोकेन्द्र पाराशर, केशव भदौरिया, कमल माखीजानी, अभय चौधरी, महेन्द्र सिंह यादव, जितेन्द्र गुर्जर, डॉ. नीतेश शर्मा, विवेक चौहान, संतोष गोड़ियाले, गिर्राज व्यास, नीलिमा शिंदे आदि उपस्थित रहे।

रोगी कल्याण समिति को दिए सवा लाख दान

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने गुरुवार को अपना और केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का जन्मदिन सेवा दिवस के रुप में मनाया। उन्होंने अस्पतालों में फल और कम्बल वितरित किए तथा भाजपा कार्यकर्ताओं एवं समाजसेवी संस्थाओं द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि जन्मदिन पर फूल मालाओं और होर्डिंग, बैनर पर धनराशि खर्च करने की अपेक्षा बिरला नगर अस्पताल एवं प्रसूति गृह की रोगी कल्याण समिति में दान दें ।उनके आव्हान पर बिरला नगर अस्पताल की रोगी कल्याण समिति में दान देने वालों ने 132 लोगों ने 1 लाख 16 हजार रुपए का दान दिया।

वार्ड 66 में सिंधिया का जन्मदिन सेवा दिवस के रूप में मनाया

भारतीय जनता पार्टी ग्वालियर ग्रामीण के जिला मंत्री गिर्राज सिंह गुर्जर द्वारा केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का जन्मदिन सेवा दिवस के रूप में मनाया गया। यह आयोजन उनके जनसंपर्क कार्यालय व्हाइट हाउस (लक्ष्मण कुंज) पर आयोजित हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत संगीतमय सुंदरकांड पाठ एवं आरती के साथ हुआ। इसके बाद समरसता भोज का आयोजन किया गया, जिसमें सामाजिक एकता और सौहार्द का संदेश दिया गया। गिर्राज सिंह गुर्जर ने कहा कि केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अपने जन्मदिन को सेवा कार्यों के साथ मनाने का आग्रह किया है। इसी भावना के अनुरूप उनका जन्मदिन सेवा दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। कार्यक्रम में पार्षद ऊषा गिर्राज सिंह गुर्जर, महेंद्र सिंह यादव (पूर्व अध्यक्ष बीज निगम), रामअवतार सिंह गुर्जर सिरोल सहित ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के हजारों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

स्वर्ग सदन आश्रम में कराया भोजन

केन्दीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के जन्मदिन पर भाजपा नेता हिमांशु खत्री ने समाजसेवा के तहत आश्रम स्वर्ग सदन में निवासरत सभी लोगों को भोजन प्रसादी प्रदान की गई। श्री खत्री ने कहा कि जनसेवा ही सच्ची राजनीति का आधार है और इसी भावना के साथ यह सेवा कार्य किया गया। वहीं जिला मंत्री महिला मोर्चा भाजपा महानगर शिल्पा खत्री ने कहा कि जरूरतमंदों की सेवा से ही समाज सशक्त बनता है और ऐसे आयोजनों से मानवीय संवेदनाएं मजबूत होती हैं।

मिठाई और फल बांटे

भाजपा के वरिष्ठ नेता सुरेंद्र सिंह परमार चच्चू की अगुवाई में पार्षद प्रीती संजू परमार द्वारा 7 नंबर चौराहे पर मिठाई, शॉल एवं फल वितरण किए गए। इस अवसर पर पूर्व विधायक रमेश अग्रवाल, रामवरन सिंह गुर्जर, राजू चौहान, महादेव शर्मा, राजेंद्र यादव, चतुर्भुज श्रीवास्तव, महेन्द्र गुप्ता , प्रताप चौहान भूरा, सौरव सिकरवार, ऋषि शर्मा, विवेक चौहान आदि उपस्थित थे।

जरूरतमंद बच्चों को बांटे फल

भाजपा जिला उपाध्यक्ष सुरेंद्र शर्मा (मालनपुर सरपंच) द्वारा साईं बाबा मंदिर पर पूजन कर, केक काटकर गरीब बच्चों एवं लोगों को फल बांटकर,पटाखो को फोड़कर श्री सिंधिया का जन्मदिन मनाया गया। वरिष्ठ नेता रमेश अग्रवाल, रामकृष्ण मंडल अध्यक्ष शिव सिंह यादव सहित कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

'बच्चों को नशे की गिरफ्त में धकेलने वाले तत्व समाज के लिए घातक'

■ ग्वालियर

ग्वालियर रेलवे स्टेशन के बाहर बच्चों को नशीले पदार्थ बेचने वाले अराजक तत्वों का पर्दाफाश करने वाली बाल कल्याण समिति की टीम का शहर के गणमान्य नागरिकों ने सम्मान किया। इस अवसर पर अधिवक्ता सोमेश महंत, मनीषा शर्मा, अंजू भदौरिया, संतोष शर्मा एवं रश्मि त्रिपाठी को उनके साहसिक, सराहनीय एवं जनहितकारी कार्य के लिए सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर समाजसेवी हरिओम गौतम ने कहा कि बच्चों को नशे की गिरफ्त में धकेलने वाले तत्व समाज के लिए घातक हैं। बाल कल्याण समिति द्वारा किया गया यह स्टिंग न केवल कानून व्यवस्था को मजबूत करता है, बल्कि समाज को जागरूक करने का भी महत्वपूर्ण कार्य है। ऐसे प्रयासों से बच्चों का भविष्य सुरक्षित होगा। कार्यक्रम के अंत में समिति द्वारा नशे के विरुद्ध जनजागरूकता अभियान को और अधिक व्यापक रूप देने की आवश्यकता पर बल दिया गया।

-कवि सम्मेलन व मिलन समारोह आयोजित

साल सभी का गुजरे बेहतर, नई सोच और ख्याल अलग हो

■ ग्वालियर

मध्यप्रदेश काव्य धारा मंच द्वारा नव वर्ष के स्वागत में कवि सम्मेलन एवं मिलन समारोह का आयोजन एक होटल में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जितेंद्र सिंह जायसवाल रहे। अध्यक्षता सोहनलाल खंडेलवाल ने की। अतिथियों का स्वागत नयन श्रीवास्तव ने किया।

कार्यक्रम में विजय सेठी अकेला ने चन्द सांसों की आस बाकी है, तीरगी में भी उजास बाकी है। मेरे हिस्से में क्या बचा साकी, जाम खाली है प्यास बाकी है। रामसेवक शाक्यवार ने अधर खोल कुछ तो मुस्काएं, आओ मिल नव वर्ष मनाएं। नयन किशोर श्रीवास्तव ने साल सभी का गुजरे बेहतर, नई सोच और ख्याल अलग हो, नई साल का आगाज अलग हो जीने का अंदाज अलग हो। पुष्पा मिश्रा आनंद ने बीता हुआ साल डायरी के पन्नों में सिमट गया, कुछ इच्छाएं छोड़ी अधूरी सपनों को पंख दे गया। इसी क्रम में कुलदीप सिंह सेंगर, अनिल राही, यासीन मंसूरी, माला श्रीवास्तव अज्ञात, रविकांत दबंग, डॉ. विजय श्रीवास्तव, सरिता चौहान, गोपाल सिंह दंडोतिया, कमलेश कैस, कविता राय, अशोक प्रेमी, कामिनी पंड्या आदि ने काव्य पाठ किया। संचालन मुक्ता सिकरवार ने किया।

संभागीय प्रशिक्षण कैंप में बताया सर्वे की तकनीक में बदलाव

■ ग्वालियर

एनुअल यूनिकॉरपोरेटेड सेक्टर इंटरप्राइजेज (एएयूएसई) एवं पीरियोडिक लेबर फोर्स सर्वे (पीएलएफएस) योजनाओं के तहत संयुक्त संभागीय प्रशिक्षण कैंप का आयोजन निजी होटल में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ निदेशक एवं क्षेत्रीय प्रमुख गजेंद्र सोनी द्वारा दीप प्रज्जवलन के साथ किया गया। इस कैंप में एसआरओ उज्जैन, शिवपुरी एवं रतलाम से आए सहायक निदेशक, वरिष्ठ सांख्यिकी अधिकारी, कनिष्ठ सांख्यिकी अधिकारी, सर्वे सुपरवाइजर तथा सर्वे प्रगणक ने सहभागिता की। प्रशिक्षण सत्रों के दौरान सर्वे में नवीन परिवर्तनों, सेंट्रल प्रोडक्ट कोड-2026 के महत्व तथा सर्वे में भी परिवर्तनों की विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम में फील्ड स्तर की सामान्य त्रुटियों, उनके कारणों एवं निराकरण उपायों पर मार्गदर्शन प्रदान किया गया। इसका उद्देश्य दोनों योजनाओं के सर्वेक्षण कार्य को अधिक सटीक, विश्वसनीय एवं त्रुटिरहित बनाना तथा फील्ड स्टाफ की क्षमता को सुदृढ़ करना रहा।

माधव महाविद्यालय में छाता चित्रण कार्यशाला आयोजित

कला में निपुणता के लिए कल्पनाशीलता व अभ्यास जरूरी

■ ग्वालियर

चित्रकला विभाग माधव महाविद्यालय में छाता चित्रण कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में मध्यभारत शिक्षा समिति के सचिव प्रो. आरके वैद्य ने कहा कि विद्यार्थी यदि चाहे तो कल्पना रूपी लोक को धरती पर चित्रित कर सकता है। इस कार्यशाला में विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के विद्यार्थियों द्वारा अपनी कला को विभिन्न विषयों एवं रंगों के माध्यम से छाता पर चित्रित किया। अध्यक्षीय उद्बोधन में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. शिवकुमार शर्मा ने कहा कि चित्रकला अभ्यास की कला है चाहे धरातल कोई भी हो। कल्पनाशीलता, लगन, सतत् अभ्यास से कोई भी व्यक्ति कला में निपुणता प्राप्त कर सकता है।

कार्यक्रम की संयोजक एवं विभागाध्यक्ष डॉ. संगीता अग्रवाल ने छाते पर विद्यार्थियों से एक्रेलिक रंगों में चित्रों का अंकन करवाया। इस अवसर पर विषय विशेषज्ञ डॉ. नीना खरे, शासकीय एम.एल.बी. महाविद्यालय ने चित्रकला के ज्ञान का बोध कराया। विशेष अतिथि के रूप में डॉ. सुभाष जैन, डॉ. सजय पाण्डेय, डॉ. मनोज अवस्थी, डॉ. नीलेन्द्र तोमर, डॉ. योजना तिवारी, डॉ. रूपाली गोखले, डॉ. प्रेम सिंह, डॉ. संजय गुप्ता एवं लगभग 50 चित्रकारों ने इस कार्यशाला में भागीदारी की। संचालन डॉ. संगीता अग्रवाल एवं आभार बी.ए. प्रथम वर्ष के छात्र धरमपाल ने किया।

मिलन समारोह में अशोक सिंह से रखवाया सिर पर हाथ

■ ग्वालियर

महापौर डॉ. शोभा सतीश सिकरवार एवं विधायक डॉ. सतीश सिकरवार ने नव वर्ष पर जी.वाय.एम.सी क्लब में मिलन समारोह का आयोजन किया। जिसमें गीतकार मनीष सक्सेना एवं उनके साथियों द्वारा गीत और गजलों की संगीतमय प्रस्तुति दी गई। समारोह में आयोजित सहभोज में 5 हजार से अधिक कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हुए। इस मौके पर विधायक डॉ. सतीश सिकरवार ने आंगुतक कांग्रेसजनों का नव वर्ष की शुभकामनाएं और बधाई दी। साथ ही जब वहां राज्यसभा सदस्य अशोक सिंह पहुंचे तो विधायक डॉ. सिकरवार ने उनसे कहा कि मेरे सिर पर हाथ रखकर आशीर्वाद दो। श्री सिंह ने मुस्कराते हुए उनके सिर पर हाथ रख दिया। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री भगवान सिंह यादव, बालेंदु शुक्ला, विधायक साहब सिंह गुर्जर सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सम्पादकीय

पत्रकार से अभद्रता और सही जवाब

पुराने साल के बीतने और नए साल के आने के दरम्यान मध्यप्रदेश से एक अच्छी और एक बुरी खबर आई। बुरी खबर यह कि देश के स्वच्छतम शहरों में शुमार राज्य की आर्थिक राजधानी इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में दूषित पानी की वजह से फैले संक्रमण ने गंभीर रूप ले लिया है। पिछले लगभग एक हफ्ते से दूषित पानी से बीमार होने की खबर आ रही थी। फिर पता चला कि मुख्य जल आपूर्ति लाइन में लीकेज के कारण सीवरेज का पानी मिलने से सैकड़ों लोग उल्टी-दस्त के शिकार हो गए हैं। कम से कम 13 लोगों की तो जान ही जा चुकी है और कई अब भी अस्पताल में भर्ती हैं।गौरतलब है कि मध्यप्रदेश में लगातार भाजपा का शासन बना हुआ है। 2018 में कांग्रेस ने चुनाव जीता भी था, लेकिन कमलनाथ सरकार को ज्योतिरादित्य सिंधिया की मदद से भाजपा ने गिरवा दिया और फिर से अपनी सरकार बना ली। इंदौर के सभी 9 विधायक भाजपा से हैं, सांसद भी भाजपा के हैं, महापौर भी भाजपा के हैं और सबसे बढ़कर शहरी विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय भी भाजपा से ही हैं। इसके बावजूद अगर इतने लोग दूषित जल से मर जाएं, तो फिर नैतिकता यही कहती है कि जिम्मेदार लोगों को फौरन इस्तीफे की पेशकश कर देनी चाहिए। लेकिन मोदीजी के नए भारत में इस्तीफे नहीं होते, ये बात तो खुद राजनाथ सिंह कह चुके हैं।इस नए भारत में जनप्रतिनिधि मीडिया को सवाल पूछने का हक भी नहीं देते हैं, यह बात भी अब मोदी सरकार को और भाजपा को आधिकारिक तौर पर कह देनी चाहिए। क्योंकि लगातार ऐसे प्रकरण हो रहे हैं जिसमें सवाल पूछने वाले पत्रकार से बदसलूकी हो रही है। तो इस बुरी खबर के बीच अच्छी खबर ये है कि भाजपा भले ही सवाल पूछने का हक न दे, लेकिन देश में अभी कुछ पत्रकार बचे हैं जो न केवल सवाल पूछ रहे हैं, बल्कि मंत्री की तरफ से गलत भाषा के इस्तेमाल पर खुल कर विरोध भी कर रहे हैं। दरअसल कैलाश विजयवर्गीय से एनडीटीवी के पत्रकार अनुराग द्वारी ने दूषित जल प्रकरण पर सवाल किए तो उन्होंने झल्लाते हुए कहा कि फोकट के प्रश्न मत पूछो, श्री द्वारी इस पर भी नहीं रुके और उन्होंने प्रतिवाद किया, साथ ही कहा कि मैं वहां होकर आया हूं, तो उन्होंने कहा कि क्या घंटा होकर आए हो। इस निम्नस्तरीय भाषा पर अनुराग द्वारी ने कैलाश विजयवर्गीय को सीधे-सीधे भाषा की तमीज का पाठ पढ़ा दिया और कहा कि वो अपना काम कर रहे हैं, हालांकि इसके बाद भी श्री विजयवर्गीय के साथ के लोगों ने अनुराग द्वारी को ही रोकने की कोशिश की कि हमारे नेता हैं, उनसे ऐसी बात नहीं की जा सकती।दरअसल मोदी-शाह के युग की भाजपा के कई नेताओं को यह खुशफहमी है कि उनसे सवाल नहीं किया जा सकता, या उनकी सरकार की खामियों पर टोका नहीं जा सकता। पूर्व सांसद स्मृति ईरानी ने अमेठी में एक पत्रकार को डपटते हुए कहा था कि मैं आपके मालिक से बात करूंगी। ये सीधे-सीधे पत्रकार को धमकी ही थी और इसमें जितनी गलती नेता की है, उतनी ही गलती उन मीडिया मालिकान की भी है, जो सत्ता से नजदीकी बढ़ाकर अपने लिए वित्तीय, सियासी या अन्य किस्मों के लाभ लेते हैं और बदले में आदर्शों को गिरवी रख देते हैं। मीडिया घरानों ने जिस तरह सत्ता के चरणों में खुद को झुका दिया है, उसी का नतीजा है कि अब पत्रकारों के सवालों का जवाब देना तो दूर उनसे शिष्टाचार से बातें भी नहीं की जातीं। अभी दो दिन पहले प.बंगाल में केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने एक पत्रकार से कहा कि तुम बंगाल की चिंता करो, हमारी पार्टी की चिंता मत करो। जबकि उन पत्रकार ने केवल यही पूछा था कि 75 साल में मार्गदर्शक मंडल में भेजने का नियम अभी के नेताओं पर भी लागू होगा। पत्रकार ने इशारों में नरेन्द्र मोदी के रिटायरमेंट की बात छेड़ी थी, जिस पर अमित शाह बिफर पड़े। वे चाहते तो सीधे-सीधे इसका जवाब दे सकते थे। लेकिन सत्ता की हनक ही इतनी है कि वे हर किसी को अपने से निम्नतर समझने लगे हैं। पत्रकार उनकी पार्टी का कार्यकर्ता नहीं है कि उससे तुम कहकर बात की जाए, लेकिन अमित शाह और कैलाश विजयवर्गीय दोनों ने यही किया। ऐसा पहली बार नहीं हुआ है, बल्कि लगातार हो रहा है, जिससे देश में मीडिया की स्वतंत्रता और प्रतिष्ठा दोनों पर आंच आई है।

उमर खालिद के समर्थन में उतर कर जोहरान मामदानी ने बड़ा खतरनाक खेल खेला है

न्यूयार्क के मेयर जोहरान मामदानी की ओर से भारत में तिहाड़ जेल में बंद उमर खालिद को भेजे गए एक पत्र ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नया विवाद खड़ा कर दिया है। हम आपको बता दें कि यह पत्र उमर खालिद के माता पिता से मुलाकात के दौरान दिया गया और इसमें मामदानी ने खालिद के विचारों की तारीफ करते हुए लिखा कि वे उनके बारे में सोच रहे हैं। उल्लेखनीय है कि उमर खालिद पर वर्ष 2020 के दिल्ली दंगों से जुड़े गंभीर आरोपों की सुनवाई चल रही है। इस पत्र के सामने आने के बाद भारत में तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली है। आलोचकों का कहना है कि किसी विदेशी शहर के मेयर द्वारा भारत के एक संवेदनशील कानूनी मामले में पक्ष लेना अनुचित है। खासकर तब, जब मामला दंगों और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा हो। हम आपको याद दिला दें कि उमर खालिद पर गैरकानूनी गतिविधि निरोधक कानून के तहत आरोप हैं और वह न्यायिक प्रक्रिया के अधीन है। ऐसे में किसी विदेशी जनप्रतिनिधि की ओर से सहानुभूति और प्रशंसा का सार्वजनिक संकेत कई सवाल खड़े करता है। हम आपको बता दें कि मामदानी के पत्र को सिर्फ एक व्यक्तिगत संदेश नहीं माना जा रहा है बल्कि इसे एक राजनीतिक संकेत के रूप में देखा जा रहा है। भारत और अमेरिका के संबंधों के संदर्भ में भी इस कदम को असहज माना गया है। भारत में यह तर्क उभरा है कि यदि हर देश का स्थानीय नेता दूसरे देश के न्यायिक मामलों पर टिप्पणी करने लगे तो संप्रभुता और संस्थागत सम्मान पर आंच आएगी। देखा जाये तो जोहरान मामदानी का यह कदम साफ तौर पर भारत के आंतरिक मामलों में दखल है। सवाल सीधा है। सवाल उठता है कि न्यूयार्क के मेयर को यह अधिकार किसने दिया कि वह भारत के दंगों से जुड़े एक आरोपी की तारीफ करे और उसे नैतिक समर्थन दे। मामदानी को समझना होगा कि भारत की न्याय व्यवस्था सक्षम है, संवैधानिक है और अपने फैसले खुद लेने में समर्थ है। उमर खालिद कोई साधारण सामाजिक कार्यकर्ता नहीं है, बल्कि उस पर दिल्ली दंगों की साजिश में शामिल होने के गंभीर आरोप हैं। ऐसे व्यक्ति को वैश्विक मंच से नैतिक समर्थन देना न केवल भारत के लिए गलत है, बल्कि यह एक खतरनाक परंपरा को जन्म देता है। इससे यह संदेश जाता है कि दंगों और हिंसा से जुड़े आरोपों को वैचारिक खोल पहनाकर महिमामंडित किया जा सकता है। यह संदेश उन तत्वों के लिए संजीवनी का काम करता है जो अराजकता और टकराव की राजनीति में विश्वास रखते हैं। मामदानी को यह समझना चाहिए था कि भारत का आंतरिक कानून और व्यवस्था किसी विदेशी राजनेता की राय का मोहताज नहीं। यदि उन्हें मानवाधिकार की इतनी ही चिंता है, तो उन्हें अपने देश में चल रही हिंसा, नस्लीय तनाव और अपराध की समस्याओं पर ध्यान देना चाहिए। भारत में न्याय की प्रक्रिया अदालतों के माध्यम से चलती है, न कि सोशल संदेशों और पत्रों के जरिये। इस तरह का समर्थन सिर्फ भारत में ही नहीं, अमेरिका में भी गलत असर डाल सकता है। जब वहां के नेता दंगों के आरोपी की तारीफ करते हैं, तो यह वहां मौजूद कट्टर और हिंसक विचारधारा के लोगों का हौसला बढ़ाता है। वे इसे यह कहकर पेश कर सकते हैं कि उनके विचारों को वैश्विक मान्यता मिल रही है। यह लोकतंत्र के लिए घातक संकेत है। लोकतंत्र का अर्थ कानून का शासन है, न कि आरोपियों का महिमामंडन। यह भी याद रखना जरूरी है कि भारत और अमेरिका दोनों ही लोकतांत्रिक देश हैं। लोकतंत्र की बुनियाद एक दूसरे की संस्थाओं के सम्मान पर टिकी होती है। जब कोई विदेशी नेता भारत की न्यायिक प्रक्रिया पर सवाल खड़े करता है या एक पक्ष को नैतिक ऊंचाई पर बैठाने की कोशिश करता है, तो यह आपसी विश्वास को चोट पहुंचाता है। यह न तो कूटनीतिक मर्यादा के अनुरूप है और न ही जिम्मेदार राजनीति का उदाहरण। मामदानी का पत्र उन तमाम भारतीय नागरिकों की भावनाओं का भी अपमान है जिन्होंने दिल्ली दंगों में अपने परिजन खोए, जिनकी दुकाने जलीं और जिनका जीवन तबाह हुआ। उनके लिए दंगे कोई वैचारिक बहस नहीं, बल्कि एक कड़वी सच्चाई है। ऐसे में दंगों के मास्टरमाइंड की तारीफ करना घावों पर नमक छिड़कने जैसा है। भारत को किसी से प्रमाण पत्र की जरूरत नहीं कि वह लोकतांत्रिक है या न्यायप्रिय। यहां की अदालतें स्वतंत्र हैं और फैसले सबूतों के आधार पर होते हैं। यदि उमर खालिद निर्दोष है, तो वह अदालत से बरी होगा। यदि दोषी है, तो सजा पाएगा। इसमें किसी विदेशी मेयर के भावनात्मक पत्र की कोई भूमिका नहीं होनी चाहिए। बहरहाल, इसमें कोई दो राय नहीं कि जोहरान मामदानी का यह कदम गैर जिम्मेदार, दखल देने वाला और भड़काऊ है। भारत के आंतरिक मामलों में इस तरह की बयानबाजी बंद होनी चाहिए। लोकतंत्र का सम्मान तभी संभव है, जब हर देश अपनी सीमाएं पहचाने और दूसरों की न्यायिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप से बचे। यही संतुलन वैश्विक शांति और आपसी सम्मान की असली कसौटी है।

भारत पर आक्रांताओं एवं अंग्रेजो के शासनकाल में भी सनातन हिंदू संस्कृति एवं भारतीय संस्कारों पर जो विचार गढ़े गए थे, वे पूर्णतः गलत पाए गए थे। जैसे, सनातन संस्कृति के संस्कार रूढ़िवादी हैं एवं यह विज्ञान के धरातल पर खरे नहीं उतरते हैं, आदि, आदि। उनके द्वारा सनातन संस्कृति के बारे में गढ़े गए विचार पूर्णतः उनके आधे अधूरे ज्ञान पर ही आधारित थे। परंतु, आज सनातन हिंदू संस्कृति के संस्कार विज्ञान के धरातल पर खरे पाए जा रहे हैं। पश्चिमी देशों के तथाकथित विद्वानों में सनातन हिंदू संस्कृति, भारत एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बारे में जानकारी का पूर्णतः अभाव है। अमेरिका से प्रकाशित न्यूयॉर्क टाइम्स नामक एक समाचार पत्र में हाल ही में प्रकाशित एक लेख में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बारे में असत्य विचार प्रकट किए गए हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स में प्रकाशित यह आलेख न तो भारत के सामाजिक यथार्थ का परिपूर्ण चित्र प्रस्तुत करता है, न ही संघ की वैचारिक और संगठनात्मक वास्तविकता को। इस लेख में तथ्यों, आंकड़ों और स्वतंत्र स्रोतों का संतुलित उपयोग नहीं किया गया है और यह लेख पूर्णतः पूर्वाग्रहों पर आधारित दिखाई देता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के इतिहास एवं संघ के स्वयंसेवकों द्वारा सम्पन्न किए गए अतुलनीय कार्यों के बारे में इन महानुभावों को कोई जानकारी ही नहीं है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना वर्ष 1925 में हुई थी और इसके साथ ही संघ ने देश के विभिन्न नगरों एवं ग्रामों में शाखाओं की स्थापना करते हुए भारत के युवाओं में राष्ट्रीयता के भाव को जागृत करना प्रारम्भ कर दिया था। वर्ष 1947 आते आते तो भारत में संघ के स्वयसेवकों की एक बड़ी फौज खड़ी हो चुकी थी। वर्ष 1947 में जब पाकिस्तानी सेना की टुकड़ियों ने कश्मीर की सीमा को पार करने की कोशिश की थी तब संघ के स्वयसेवकों ने कश्मीर की सीमा पर पाकिस्तानी सेना की गतिविधियों पर बिना किसी प्रशिक्षण के लगातार नजर बनाए रखी थी और तब पाकिस्तानी सेना को रोकने हेतु भारतीय सेना के जवानों के साथ संघ के कई स्वयसेवकों ने भी अपनी मातृभूमि की रक्षा में अपने प्राणों की आहुति दी थी। साथ ही, भारत में विभाजन के समय दंगे भड़कने के दौरान पाकिस्तान से जान बचाकर आए हिंदू शरणार्थियों की सहायता के लिए संघ के स्वयसेवकों ने 3,000 से अधिक राहत शिविर भारत में लगाए थे। कश्मीर के भारत में विलय के समय पाकिस्तान की सेना कबाईलियों के भेष में भारत की सीमा में घुस रही थी, ऐसे में तात्कालीन केंद्र सरकार यह फैसला नहीं ले पा रही थी कि इन परिस्थितियों के बीच क्या किया जाय क्योंकि उस समय कश्मीर के महाराजा श्री हरी सिंह जी भारत में कश्मीर के विलय सम्बंधी प्रस्ताव पर अपने हस्ताक्षर नहीं कर पाए थे। इन विकट परिस्थितियों के बीच सरदार पटेल ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक श्री गुरु गोलवलकर जी से मदद मांगी और उन्हें कश्मीर में महाराजा श्री हरी सिंह जी से मिलने भेजा। श्री गुरु जी तुरंत कश्मीर गए एवं महाराजा श्री हरी सिंह जी को समझाया और कश्मीर के भारत में विलय सम्बंधी प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करा लिए और उसे दिल्ली भेज दिया।

चीन और रूस ने अपने नो लिमिट गठजोड़ को और मजबूत किया

सेठ जी जोन्स

चीन और रूस अपना सहयोग बढ़ा रहे हैं और आक्रामक कदम उठा रहे हैं, जिनके अमरीका के लिए गंभीर परिणाम हो रहे हैं। 9 दिसम्बर को, चीनी और रूसी बमवर्षक विमानों और अन्य विमानों ने जापान और दक्षिण कोरिया के निकट उड़ान भरी, जिससे अमरीका और जापान को लड़ाकू विमानों और बमवर्षक विमानों को तैनात करने के लिए मजबूर होना पड़ा। यह घटना चीन-रूस गठजोड़ के और अधिक मजबूत होने का नवीनतम उदाहरण है। बीजिंग और मॉस्को अमरीका को अपना सबसे बड़ा दुश्मन मानते हैं और अमरीका और उसके सहयोगियों की कीमत पर अपनी शक्ति का विस्तार करना चाहते हैं। शी जिनपिंग और व्लादिमीर पुतिन ने बार-बार कहा है कि उनकी सांझेदारी की कोई सीमा नहीं है और वे 40 से अधिक बार आमने-सामने मिल चुके हैं। फरवरी 2022 में रूस द्वारा यूक्रेन पर पूर्ण पैमाने पर आक्रमण के बाद से, चीन ने रूस को उच्च प्राथमिकता वाली वस्तुओं का निर्यात बढ़ा दिया है, जिनमें 50 दोहरे उपयोग वाली वस्तुएं शामिल हैं, जैसे कम्प्यूटर चिप्स, मशीन टूल्स, राडार और सैंसर, जिनकी रूस को युद्ध जारी रखने के लिए आवश्यकता है। चीन के निर्यात ने रूस को 2023 से 2024 तक इस्कंदर-एम बैलिस्टिक मिसाइलों का उत्पादन 3 गुना बढ़ाने में मदद की, जिनका उपयोग रूस ने यूक्रेनी शहरों पर बमबारी करने के लिए किया है। 2024 में, रूस द्वारा आयात किए गए अमोनियम परक्लोरेट का 70 प्रतिशत हिस्सा चीन का था, जो बैलिस्टिक मिसाइल ईंधन का एक आवश्यक घटक है। चीन ने रूस को ड्रोन बॉडी, लिथियम बैटरी और फाइबर-ऑप्टिक केबल प्रदान किए हैं, जो यूक्रेन में इस्तेमाल किए जाने वाले फाइबर-ऑप्टिक ड्रोन के लिए महत्वपूर्ण घटक हैं, जो इलैक्ट्रॉनिक जैमिंग को बाईपास कर सकते हैं। इस सहयोग से चीन को लाभ हो रहा है। रूस ने उन्नत प्रणोदन प्रणाली उपलब्ध कराकर चीन की अगली पीढ़ी की टाइप 096 परमाणु-संचालित बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बी के विकास में संभवतः सहायता की है। लीक हुए दस्तावेजों से संकेत मिलता है कि रूस ने ताइवान पर आक्रमण में इस्तेमाल किए जा सकने वाले उपकरण, जैसे हल्के उभयचर वाहन, स्वचालित एंटी-टैंक तोपें, हवाई बख्तरबंद कार्मिक वाहक और हवाई मार्ग से पैराशूट गिराने के लिए विशेष प्रयोजन वाली प्रणालियां चीन को बेचने पर सहमति जताई थी। 2017 और 2024 के बीच, उन्होंने एशिया, यूरोप, मध्य पूर्व, आर्कटिक और अफ्रीका सहित एक विस्तृत क्षेत्र में लगभग 100 संयुक्त सैन्य अभ्यासआयोजित किए हैं। इन देशों ने कई प्रशिक्षण मिशन भी आयोजित किए हैं, जिनमें 2019 और 2024 के बीच 8 संयुक्त बमवर्षक उड़ानें शामिल हैं। जुलाई 2024 में, चीन और रूस ने अलास्का के तट पर संयुक्त गश्त के दौरान क्रमशरू शीआन एच-6 और टू-95 बियर नामक लंबी दूरी के बमवर्षक विमानों को उड़ाया। भविष्य में, रूस चीन को जमीन और अंतरिक्ष आधारित मिसाइल चेतावनी प्रणालियों के विकास में मदद कर सकता है, जिससे चीन की मौजूदा मिसाइल रक्षा प्रणालियों की प्रभावशीलता बढ़ेगी और नई प्रणालियों के विकास में तेजी आएगी। सैन्य क्षेत्र से परे, दोनों देशों ने आर्थिक और तकनीकी संबंधों को मजबूत किया है। चीन-रूस व्यापार 2022 में 190 अरब डॉलर से बढ़कर 2024 में लगभग 245 अरब डॉलर तक पहुंच गया। इसके अलावा, चीन तेल और गैस के लिए रूस पर निर्भर है, जो अब चीन के आयात का लगभग 75 प्रतिशत हिस्सा है। दोनों देशों के बीच मतभेद भी हैं, जैसा कि अन्य सभी मित्र देशों के साथ भी है। चीनी नेताओं ने उत्तर कोरिया के साथ रूस के बढ़ते सैन्य संबंधों पर चिंता व्यक्त की है, जिससे प्योंगयांग की मिसाइल क्षमताओं में मजबूती आने की संभावना है। बीजिंग प्योंगयांग के परमाणु कार्यक्रम में मदद करने से हिचकिचा रहा है। स्पष्ट है, चीन और मॉस्को राजनीतिक, सैन्य और आर्थिक रूप से एक-दूसरे के करीब आ रहे हैं। उनका लक्ष्य अमरीका को सत्ता से बेदखल करना है। सत्तावादी शासनों के इस गठबंधन का मुकाबला करने के लिए कोई योजना बनाने की बजाय, ट्रम्प प्रशासन की राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति ने खतरे की गंभीरता को नजरअंदाज कर दिया। प्रशासन के अधिकारियों को यह समझना होगा कि तानाशाहों को खुश करने से उनका हौसला ही बढ़ेगा।

चांदी के बाजार में चीन का नया खेल

रजनीश कपूर

दुनिया के चांदी बाजार में इस समय जो उथल-पुथल दिख रही है, उसमें चीन की नीतियां निर्णायक भूमिका निभा रही हैं और यही स्थिति वैश्विक निवेशकों के लिए गंभीर चेतावनी बन गई है। यह केवल सामान्य उतार-चढ़ाव नहीं, बल्कि आपूर्ति, स्टॉकपाइल और निर्यात नियंत्रण के जरिए कीमतों व भावनाओं को प्रभावित करने का जटिल खेल है। 2025 में चीन ने चांदी पर राज्य-नियंत्रित निर्यात लाइसेंसिंग सिस्टम लागू किया, यानी बिना सरकारी मंजूरी के कोई कंपनी चांदी बाहर नहीं भेज सकती। शुरूआत में यह कदम घरेलू उद्योग की सुरक्षा और संसाधन-संरक्षण के नाम पर उठाया गया लेकिन इसका तात्कालिक असर वैश्विक बाजार में आपूर्ति-संकट और तेजी से बढ़ती कीमतों के रूप में दिखा। इसी साल अक्तूबर में चीन ने अचानक रिकॉर्ड 660 टन चांदी एक महीने में निर्यात कर दी, जो इतिहास में सबसे बड़ा मासिक आंकड़ा माना जा रहा है। यह कदम पहले लगाए गए निर्यात नियंत्रणों से उलट था और इसे एक घबराए हुए बाजार को शांत करने तथा वैश्विक कीमतों की दिशा तय करने की कोशिश के रूप में देखा गया। शंघाई फ्यूचर्स एक्सचेंज के आंकड़े दिखाते हैं कि 2021 के आसपास लगभग 3,900-5,000 टन तक पहुंचा चीन का चांदी स्टॉक 2025 के अंत तक गिरकर लगभग 700-800 टन के आसपास ही रह गया। यानी 80-85 प्रतिशत तक की गिरावट। जब दुनिया की सबसे बड़ी औद्योगिक खपत वाली

अर्थव्यवस्था के गोदाम इस तरह खाली होने लगते हैं और साथ ही निर्यात नीति बार-बार बदली जाती है, तो बाजार में वास्तविक कमी और संचालित कमी के बीच की रेखा धुंधली हो जाती है। अनुमान है कि 2024 में चीन ने लगभग 3,300 टन चांदी का उत्पादन किया, जबकि घरेलू खपत 19,000 टन के आसपास पहुंच गई, यानी लगभग 15,700 टन का वाघ्षक घाटा। यह संरचनात्मक घाटा और घटते स्टॉकपाइल चीन को नीति के जरिए अंतर्राष्ट्रीय कीमतों और सप्लाई-चेन पर अतिरिक्त दबाव बनाने का मौका देता है। यह पहली बार नहीं है जब चीन किसी महत्वपूर्ण खनिज या धातु की आपूर्ति को भू-राजनीतिक (जियोपॉलिटिक्स) या आघ्थक हथियार की तरह इस्तेमाल किया हो। दुर्लभ धातुओं में 2008-2010 के बीच चीन ने निर्यात पर कोटा और पाबंदियां लगाकर कीमतों को आसमान पर पहुंचा दिया और जापान के साथ विवाद के दौरान सप्लाई रोक कर अपनी राजनीतिक ताकत दिखाने की कोशिश की थी। कमोडिटी बाजारों में कोर्नरिंग या मैनिपुलेशन की कोशिशों का इतिहास बेहद कड़वा रहा है। 1979-80 में हंट ब्रदर्स ने भारी मात्रा में फ्यूचर्स और भौतिक चांदी खरीदकर दुनिया की एक-तिहाई चांदी पर नियंत्रण करने की कोशिश की, जिससे कीमतें लगभग 6 डॉलर से बढ़कर 50 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच गईं। जैसे ही नियामकों ने पोजीशन लिमिट कड़ी की और मार्जन बढ़ाए, बाजार ध्वस्त हुआ, सिल्वर थर्सडे के नाम से मशहूर क्रैश में कुछ ही दिनों में कीमत आधे से भी कम पर आ गई और लाखों निवेशक बर्बाद हुए। इसी तरह, दुर्लभ धातुओं के बाजार में चीन की 2010 की पाबंदियों ने वैश्विक मैन्युफैक्चरिंग कंपनियों को झटका दिया, उनकी लागत अचानक बढ़ गई और निवेश निर्णयों में भारी अनिश्चितता पैदा हुई। ये उदाहरण बताते हैं कि जब भी कोई सरकार या शक्तिशाली समूह किसी कमोडिटी को नियंत्रित करने की हद तक अपने हाथ में लेने लगता है, तो शुरूआती दौर में कीमतें ऊंची होकर लाभ का भ्रम पैदा करती हैं लेकिन अंततरू परिणाम क्रैश और अव्यवस्था के रूप में सामने आते हैं। आज की स्थिति में चांदी की कीमतों में तेज उछाल के पीछे दो समानांतर धाराएं काम कर रही हैं। एक तरफ वास्तविक औद्योगिक मांग, जैसे कि सोलर पैनल, इलैक्ट्रिक वाहन, इलैक्ट्रॉनिक्स, मैडिकल उपकरण, जिसके लिए चांदी लगभग अपरिवर्तनीय है। दूसरी तरफ चीन सहित बड़े खिलाडियों की नीतिगत चालें, जैसे कि निर्यात पर रोक, अचानक बड़े निर्यात और कमोडिटी एक्सचेंजों पर पेपर व फिजिकल बाजार के बीच बढ़ती खाई। भ्रमित हो रहे निवेशकों के लिए इन दिनों सबसे बड़ा खतरा यह है कि चांदी की मौजूदा तेजी को बिना समझे नई सामान्य स्थिति मान लिया जाए।

मेहनतकशों की बेकद्री

बाजार आने-जाने के झंझट से बचा लोगों के घरों में तुरत-फुरत जीवन उपयोगी सामान पहुंचाने वाले गिग-वर्कर्स की जटिल कार्यपरिस्थितियां और पसीने का मोल न मिलना, बेहद चिंता की बात है। अपना व परिवार का पोषण करने वाले ये युवा अकसर सरपट मोटरसाइकिल दौड़ाते और सीढ़ियां चढ़कर ऊंची मंजिलों में दरवाजों तक सामान पहुंचाते देखे जा सकते हैं। बेहद कम मेहनताने, कंपनी मालिकों के दबाव व ग्राहकों की उपेक्षा झेलते गिग वर्कर्स ने नये साल की पूर्व संध्या पर हड़ताल करके अपनी बदहाली को ही उजागर किया है। संवेदनशील कार्य परिस्थितियों और नौकरी की असुरक्षा के चलते गिग-वर्कर्स हड़ताल पर थे। हालांकि, नये साल पर काम के दबाव व पूरी तरह संगठित न होने के कारण इनकी हड़ताल का कुछ ही इलाकों में असर देखा गया। पूरे देश में सामान की आपूर्ति बाधित हुई हो, ऐसा भी कोई समाचार नहीं मिला है। लेकिन गिग-वर्कर्स की विषम कार्य-परिस्थितियों की ओर पूरे देश का ध्यान जरूर गया है। पिछले दिनों आप के राघव चड्ढा और राजद के मनोज कुमार झा जैसे सांसदों ने गिग वर्कर्स के शोषण का मुद्दा संसद में उठाया था। निस्संदेह, देश की गिग अर्थव्यवस्था ने रोजगार सृजन में अपनी क्षमता साबित की है। विडंबना है कि भारत युवाओं को देश का कहा जाता है, लेकिन हम उनकी आकांक्षाओं का रोजगार नहीं दे पा रहे हैं। दरअसल, गिग-वर्कर्स की प्रमुख मांग है कि उनके काम का बेहतर भुगतान हो और उनके लिये बेहतर कामकाजी परिस्थितियां बनायी जाएं। उनकी इस हड़ताल ने इन मुद्दों पर देश का ध्यान खींचा है। लेकिन देश के प्रमुख खाद्य वितरण करने वाली कंपनी ने 31 दिसंबर को इस हड़ताल के बावजूद ऑर्डर में रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की। वहीं थके-हारे बाइकर्स अपनी अनगिनत शिकायतें व्यक्त करते रहे।

दरअसल, विडंबना यह है कि खूब काम लेने के बावजूद गिग-वर्कर्स को पारंपरिक नियोक्ता-कर्मचारी के दायरे से बाहर आजीविका कमाने वाले व्यक्तियों के रूप में परिभाषित किया जाता है। दरअसल, गिग-वर्कर्स को नई अर्थव्यवस्था में नियोक्ता एक कर्मचारी के रूप में नियुक्त करने के दायित्व से बचने का प्रयास करते हैं। लेकिन नियोक्ताओं की हायर व फायर की रणनीति के चलते, वे असुरक्षित कार्य परिस्थितियों में काम करने को बाध्य होते हैं। इसके बावजूद वे आज शहरी जीवन व्यवस्था के लिये अभिन्न अंग बन गए हैं। लोगों की छोटी-छोटी जरूरतों के लिए दौड़ते रहते हैं। वे सामान दस मिनट तक दरवाजे पर पहुंचाने के दबाव में हांफते-भागते, मोटरसाइकिल दौड़ाते और सीढ़ियों पर सामान चढ़ाते अकसर नजर आते हैं। आम तौर पर उपभोक्ताओं का व्यवहार भी अच्छा नहीं होता। देरी होने पर इन्हें झिड़का जाता है। सामान में नुक्स निकालकर इन्हें दौड़ाया जाता है। आज भारत में इनकी संख्या सवा करोड़ से अधिक है। अनुमान है कि वर्ष 2030 तक इन कामगारों की संख्या दो करोड़ पैंतीस लाख तक हो सकती है। निश्चित रूप से आने वाले वर्षों में इस क्षेत्र की अनदेखी नहीं की जा सकती। लेकिन फिलहाल स्थिति यह है कि मेहनताने में कटौती, जरा सी चूक पर आर्थिक दंड तथा समय से पहले पहुंचाने के दबाव से गिग-वर्कर्स त्रस्त हैं। मुश्किल परिस्थितियों में काम करते रहने के बावजूद ये कामगार हड़ताल में बड़ी संख्या में भाग नहीं ले पाये।

दरअसल, प्लेटफॉर्म अकसर प्रोत्साहन और अतिरिक्त वेतन के जरिये श्रमिकों के विरोध प्रदर्शन को दबा देते हैं। निश्चित रूप से गिग-वर्कर्स का लगातार 14 घंटे काम करने के बावजूद सात-आठ सौ रुपये कमाना और दुर्घटना बीमा से वंचित रखना, इस व्यवस्था की उन खामियों की ओर भी इशारा करता है, जिन्हें केवल फौरी लालच या प्रोत्साहन से ठीक नहीं किया जा सकता। ऐसे में हालिया श्रम सुधारों का महत्व बढ़ जता है। जिसमें पहली बार, गिग और प्लेटफॉर्म श्रमिकों को कानून के तरह औपचारिक रूप से परिभाषित किया गया है। एग्रीगेटर के टर्नओवर का एक से दो फीसदी सामाजिक सुरक्षा कोष में अनिवार्य योगदान और आधार से जुड़े सार्वभौमिक खाता नंबर को कानूनी मान्यता की दिशा में एक लंबे समय से प्रतीक्षित बदलाव का संकेत देते हैं। हालांकि, कार्यान्वयन ही यह निर्धारित करेगा कि ये सुधार परिवर्तनकारी साबित होते हैं या केवल प्रतीकात्मक रहते हैं।

मनोरंजन

अस्पताल में भर्ती डेमियन मार्टिन की कैसी है हालत क्या बोले एडम गिलक्रिस्ट

सिडनी। मेनिन्जाइटिस से जूझ रहे डेमियन मार्टिन की हालत में पिछले 24 घंटों में सुधार के संकेत मिले हैं। एडम गिलक्रिस्ट के अनुसार उनकी रिकवरी की दिशा सकारात्मक है। क्रिकेट जगत से लगातार दुआएं और समर्थन मिल रहा है, जिससे उनके जल्द स्वस्थ होने की उम्मीद बढ़ी है। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज डेमियन मार्टिन इस समय मेनिन्जाइटिस जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे हैं। वह गोल्ड कोस्ट यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल में भर्ती हैं और फिलहाल उन्हें मेडिकल रूप से इंड्यूस्ड कोमा में रखा गया है। उनकी सेहत को लेकर क्रिकेट जगत में चिंता का माहौल है, लेकिन इस बीच पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज एडम गिलक्रिस्ट ने राहत भरी जानकारी दी है। गिलक्रिस्ट ने दी पॉजिटिव अपडेट एडम गिलक्रिस्ट ने एक जनवरी को फॉक्स क्रिकेट से बात करते हुए बताया कि मार्टिन की हालत में कुछ सकारात्मक संकेत देखने को मिले हैं।

अनुष्का शर्मा के साथ एक बार फिर बड़े पर्दे पर नजर आएंगे रणवीर सिंह

फैंस को इस दिन मिलेगा तोहफा

बॉलीवुड एक्टर रणवीर सिंह और अनुष्का शर्मा के फैंस के लिए खुशखबरी है। ये जोड़ी एक बार फिर बड़े पर्दे पर नजर आने वाली है। क्या है पूरा मामला, चलिए जानते हैं। बॉलीवुड में बड़ी स्क्रीन पर कुछ जोड़ियां ऐसी होती है जिन्हें साथ में काफी पसंद किया जाता है। ऐसी ही एक जोड़ी है रणवीर सिंह और अनुष्का शर्मा की, जिन्होंने 'बैंड बाजा बारात' और 'दिल धड़कने दो' जैसी फिल्मों में एक साथ काम किया है। अब ये जोड़ी एक बार फिर बड़े पर्दे पर दस्तक देने जा रही है लेकिन मामले में थोड़ा ट्विस्ट है। 'बैंड बाजा बारात' फिर से हो रही रिलीज दरअसल ये जोड़ी एक बार फिर फैंस को एंटरटेन करते हुए नजर आएगी लेकिन ये कोई नई फिल्म में नहीं बल्कि पुरानी फिल्म में ही नजर आएंगे। अब इन दिनों री-रिलीज फिल्मों का ट्रेंड जोर पकड़ रहा है और अब इस कड़ी में रणवीर सिंह और अनुष्का शर्मा की सुपरहिट रोमांटिक फिल्म बैंड बाजा बारात का नाम भी जुड़ गया है। ये फिल्म एक बार फिर दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए सिनेमाघरों में लौट रही है। इस फिल्म ने न सिर्फ रणवीर सिंह को बॉलीवुड में पहचान दिलाई थी, बल्कि अनुष्का के साथ उनकी जोड़ी को भी काफी पसंद किया गया था। 16 साल बाद फिर से दिखाई जाएगी फिल्म साल 2010 में रिलीज हुई यह फिल्म अब करीब 16 साल बाद फिर से थिएटर्स में दिखाई जाएगी। मेकर्स ने इसकी री-रिलीज डेट 16 जनवरी 2026 तय की है।

नए साल पर दृष्टि धामी ने फैंस को दिया बिग सरप्राइज

14 महीने बाद दिखाया लाडली का चेहरा, मासूमियत पर फिदा लोग

टीवी इंडस्ट्री की मशहूर एक्ट्रेस दृष्टि धामी ने मां बनने के करीब 14 महीने बाद अपनी बेटी का चेहरा पहली बार दुनिया को दिखाया है। साल 2024 में मां बनीं दृष्टि ने अब नए साल के मौके पर अपनी नन्ही परी से फैंस की मुलाकात कराई है। एक्ट्रेस

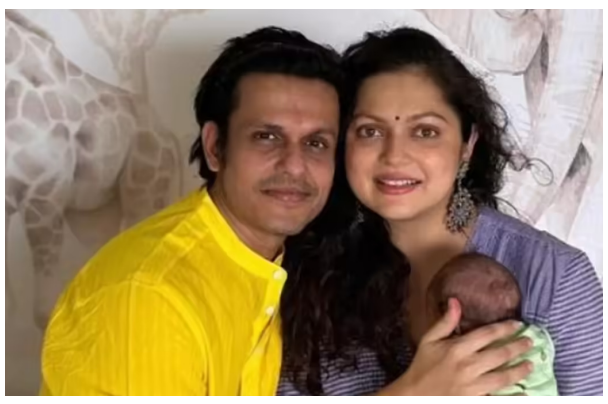

ने अपनी बेटी का नाम लीला खेमका रखा है, जिसकी तस्वीरें सामने आते ही सोशल मीडिया पर छा गई हैं। नए साल के पहले दिन, 1 जनवरी को दृष्टि धामी ने अपनी लाडली का फैस को दीदार करवाते हुए कुछ तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर कीं और कैप्शन में लिखा, ह्लहैलो दुनियावालों, मिलिए लीला खेमका से। तस्वीरों में लीला पर्पल फ्रॉक पहने केक के पास खड़ी पोज देती दिखीं। एक तस्वीर में नन्हीं परी सिर्फ शॉर्ट पहने क्यूट लगी, जबकि आखिरी तस्वीर में दृष्टि अपनी लाडो को बाहों में लेकर प्यार लुटाती दिखीं। तस्वीरों में लीला की मासूमियत और क्यूट एक्सप्रेशंस ने हर किसी का दिल जीत लिया है। फैंस ही नहीं, बल्कि टीवी और फिल्म इंडस्ट्री के कई सितारे भी लीला की क्यूटनेस पर फिदा नजर आए। लंबे समय से बेटी की झलक का इंतजार कर रहे फैंस अब बेहद खुश हैं और कमेंट्स के जरिए ढेर सारा प्यार लुटा रहे हैं। गौरतलब है कि दृष्टि धामी ने साल 2015 में बिजनेसमैन नीरज खेमका से शादी की थी। शादी के करीब 9 साल बाद, 24 अक्टूबर 2024 को उन्होंने बेटी को जन्म दिया। इसके बाद से ही दृष्टि कभी-कभार बेटी के साथ तस्वीरें शेयर करती रहती थीं, लेकिन उन्होंने हमेशा लीला का चेहरा छुपाकर रखा। अब 14 महीनों बाद नए साल पर लाडो की तस्वीरें शेयर कर उन्होंने फैंस को सरप्राइज दे दिया। वर्कफ्रंट की बात करें तो दृष्टि धामी ने अपने करियर में कई सुपरहिट टीवी शोज किए हैं। उन्हें खासतौर पर गीत हुई सबसे पराई और मधुबाला जैसे सीरियल्स से जबरदस्त लोकप्रियता मिली।

अक्षय कुमार के साथ पहली बार स्क्रीन साझा करेंगी रानी मुखर्जी

इस साल शुरू होगी शूटिंग

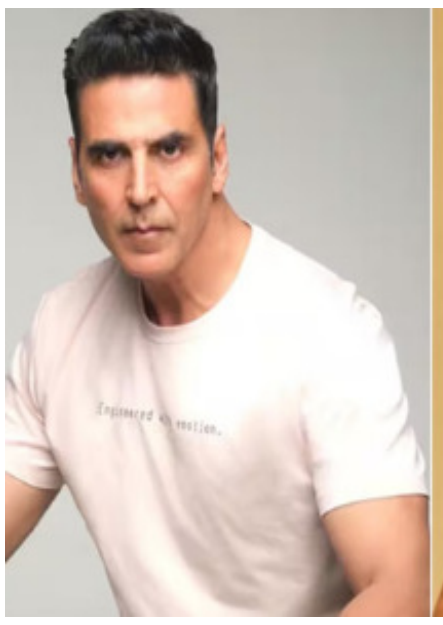

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार की फ्रेंचाइजी 'ओह माई गॉड' की नई फिल्म को लेकर बड़ी खबर सामने आ रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक अक्षय पहली बार रानी मुखर्जी के साथ काम करने जा रहे हैं। बॉलीवुड की चर्चित फ्रेंचाइजी ओह माई गॉड एक बार फिर बड़े स्तर पर वापसी करने की तैयारी में है। फ्रेंचाइजी की नई फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच पहले से ही उत्सुकता बनी हुई थी और अब इस प्रोजेक्ट से जुड़ी एक बड़ी जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस बार अक्षय कुमार के साथ रानी मुखर्जी मुख्य भूमिका में नजर आ सकती हैं। अगर यह खबर पुख्ता होती है, तो यह दोनों कलाकारों की पहली ऑन-स्क्रीन जोड़ी होगी, जिसे लेकर फिल्म इंडस्ट्री में खासा उत्साह देखा जा रहा है। इसी साल शुरू होगी शूटिंग 'पिंकविला' की रिपोर्ट के मुताबिक बताया जा रहा है कि 'ओह माई गॉड' इस समय प्री-प्रोडक्शन स्टेज में है और फिल्म की शूटिंग 2026 के मई से शुरू होने की योजना है। पहले और दूसरे भाग की तरह इस बार भी निर्देशन की कमान अमित राय संभाल रहे हैं, जिन्होंने पिछली फिल्म में सामाजिक मुद्दों को प्रभावशाली ढंग से पेश कर दर्शकों और समीक्षकों की सराहना बटोरी थी। फिल्म की कहानी इंडस्ट्री से जुड़े सूत्रों के अनुसार, इस बार फिल्म की कहानी पहले से कहीं ज्यादा बड़ी, संवेदनशील और समकालीन मुद्दों पर आधारित होगी। मेकर्स का फोकस केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज से जुड़े सवालों को मजबूती से सामने लाने पर है। अक्षय कुमार इस फ्रेंचाइजी को लेकर बेहद स्पष्ट रहे हैं कि तीसरे भाग में कहानी, भावनाएं और अभिनय- तीनों स्तरों पर स्केल बढ़ाया जाए। कंटेंट-ड्रिवन किरदारों के लिए जानी जाती हैं रानी रानी मुखर्जी के जुड़ने से फिल्म को एक नई गंभीरता और ताजगी मिलने की उम्मीद की जा रही है। रानी लंबे समय से अपने सशक्त और कंटेंट-ड्रिवन किरदारों के लिए जानी जाती हैं। ऐसे में उनका इस फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनना कहानी को और मजबूती दे सकता है। माना जा रहा है कि फिल्म में अक्षय और रानी के बीच का डायनामिक दर्शकों के लिए कुछ नया और प्रभावशाली लेकर आएगा। फ्रेंचाइजी के बारे में 'ओह माई गॉड' फ्रेंचाइजी ने हिंदी सिनेमा में एक अलग पहचान बनाई है। पहले भाग में जहां आस्था और पाखंड के बीच के फर्क को दिखाया गया था, वहीं दूसरे भाग में सामाजिक सोच और नैतिक सवालों को केंद्र में रखा गया। अब तीसरे भाग से भी दर्शकों को उसी तरह की सोच को झकझोरने वाली लेकिन मनोरंजक कहानी की उम्मीद है।

वह चौप्टर खत्म हो गया..जिया से सगाई की अफवाहों पर अभिषेक मल्हान ने तोड़ी चुप्पी, कहा- मेरा नाम किसी से भी जोड़ना बंद करें

बिग बॉस ओटीटी सीजन 2 में नजर आ चुके यूट्यूबर अभिषेक मल्हान इन दिनों अपने अफेयर की खबरों को लेकर चर्चा में हैं। पिछले कुछ दिनों से उनका नाम कंटेस्टेंट जिया शंकर के साथ नाम जोड़ा जा रहा है। वहीं, हाल ही में कहा गया कि दोनों की सगाई हो गई है। वहीं, इन सब खबरों पर हाल ही में अभिषेक मल्हान ने चुप्पी तोड़ी है और फैल रही खबरों को अफवाह बताया है। अभिषेक मल्हन ने नए साल पर अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक लंबा पोस्ट शेयर किया और बताया कि उनका नाम किसी के साथ लिंक नहीं किया जाना चाहिए। 3 साल पहले वह शो का हिस्सा थे और वह चौप्टर वहीं खत्म हो गया है और उन्होंने कहा कि उनकी पसंद और नजरिया साफ है। वह बदलेगा नहीं। अभिषेक ने अपनी स्टोरीज पर लिखा, ष्मैं एक बात साफ कर देना चाहता हूं, प्लीज मेरा नाम किसी से भी जोड़ना बंद करें। मैं तीन साल पहले शो का हिस्सा था और वह चौप्टर वहीं खत्म हो गया। उस समय मेरे फैसले और मेरा रुख बहुत साफ था और तब से कुछ भी नहीं बदला है। निराशा की बात यह है कि यह एक पैटर्न बन गया है। हर साल की तरह, कहीं से भी सेम बातें बिना किसी कॉन्टेक्स्ट के वायरल हो जाता है। मैं भी यह देख सकता हूं और मैं मानता हूं कि ऑडियंस भी ये नोटिस करने में स्मार्ट है। उन्होंने आगे लिखा, मैं इस तरह के गेम्स, अफवाहों और बिना बात की अफवाहों को एंटरटेन करने में हिस्सा नहीं लेना चाहता। मैं अपने काम पर फोकस करना चाहता हूं और पॉजिटिविटी की ओर बढ़ना चाहता हूं। मैं रिक्वेस्ट करता हूं कि इसका सब सम्मान करें और बातों को बंद करें। बता दें, अभिषेक मल्हान से पहले जिया शंकर ने भी उनके साथ सगाई की खबरें वायरल होने पर रिएक्शन दिया था। जिया ने मिस्ट्री मैन संग फोटो शेयर की थी और मल्हान संग सगाई की खबरों को केवल अफवाह बताया था।

आजाद भारत रिव्यू: महिला क्रांतिकारियों की अनकही गाथा, रूपा अय्यर का शानदार निर्देशन

रूपा अय्यर, इंदिरा तिवारी, डॉ. सुभाष चंद्र, प्रियांशु चटर्जी, सुचेंद्र प्रसाद

निर्देशकः रूपा अय्यर

रेटिंगः 3 स्टार्स

नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती माह में रिलीज हुई पीरियड ड्रामा फिल्म ह्यआजाद भारतह्ल का निर्देशन रूपा अय्यर ने किया है। यह फिल्म आजाद हिंद फौज की पृष्ठभूमि पर आधारित है, जिसमें खास तौर पर उसकी महिला इकाई रानी झांसी रेजिमेंट (रानी लक्ष्मीबाई रेजिमेंट) को केंद्र में रखा गया है। फिल्म भारत के स्वतंत्रता संग्राम की पहली महिला क्रांतिकारी नीरा आर्या के

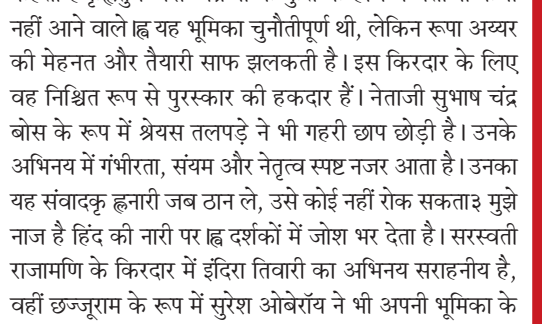

जीवन पर आधारित है और नए साल पर सिनेमाघरों में यह देशभक्ति से ओतप्रेत एक खास सिनेमाई अनुभव बनकर उभरी है। कहानी भारत के स्वतंत्रता संग्राम में कई वीरांगनाओं का अहम योगदान रहा है, लेकिन इतिहास के पन्नों में नीरा आर्या जैसी क्रांतिकारी का नाम अपेक्षाकृत कम जाना गया। फिल्म ह्यआजाद भारतह्ल इसी गुमनाम नायिका की दिल दहला देने वाली सच्ची कहानी को पर्दे पर लाती है। नीरा आर्या, नेताजी सुभाष चंद्र बोस की आजाद हिंद फौज की सक्रिय सदस्य थीं। कहानी उस मोड़ पर और भी तीव्र हो जाती है जब अंग्रेज सरकार के लिए काम करने वाला सीआईडी इंस्पेक्टर कृ नीरा का अपना पति श्रीकांतकृनेताजी के लिए खतरा बन जाता है। देश के प्रति अपने कर्तव्य को सर्वोपरि रखते हुए नीरा अपने पति को मार देती है। फिल्म सुभाष चंद्र बोस की रणनीतियों के साथ-साथ नीरा आर्या के संघर्ष, यातनाओं और बलिदान को प्रभावी ढंग से दशार्ती है। यह केवल एक कहानी नहीं, बल्कि आजादी के लिए दी गई सर्वोच्च कुबार्नी की गाथा है। अभिनय नीरा आर्या की मुख्य भूमिका में रूपा अय्यर ने बेहद दमदार अभिनय किया है। उनके चेहरे के भाव, आक्रोश, दर्द और अडिग साहस दर्शकों को गहराई से प्रभावित करते हैं। अंग्रेजों के अत्याचार सहते हुए भी नीरा का न टूटना, रूपा के अभिनय की ताकत को दशार्ता है। विशेष रूप से वह दृश्य याद रह जाता है, जब वह अपने पति को मारते हुए कहती हैंकृह्लतुम जैसे अंग्रेजों के कुत्ते के हाथ में नेताजी कभी नहीं आने वाले।ह्ल यह भूमिका चुनौतीपूर्ण थी, लेकिन रूपा अय्यर की मेहनत और तैयारी साफ झलकती है। इस किरदार के लिए वह निश्चित रूप से पुरस्कार की हकदार हैं। नेताजी सुभाष चंद्र बोस के रूप में श्रेयस तलपड़े ने भी गहरी छाप छोड़ी है। उनके अभिनय में गंभीरता, संयम और नेतृत्व स्पष्ट नजर आता है। उनका यह संवादकृ ह्लनारी जब ठान ले, उसे कोई नहीं रोक सकता३ मुझे नाज है हिंद की नारी पर।ह्ल दर्शकों में जोश भर देता है। सरस्वती राजामणि के किरदार में इंदिरा तिवारी का अभिनय सराहनीय है, वहीं छज्जूराम के रूप में सुरेश ओबेरॉय ने भी अपनी भूमिका के साथ पूरा न्याय किया है। निर्देशन निर्देशक रूपा अय्यर ने हर मोर्चे पर खुद को साबित किया है। एक गुमनाम क्रांतिकारी की कहानी को पर्दे पर उतारना बड़ी जिम्मेदारी थी, जिसे उन्होंने गहन रिसर्च और संवेदनशीलता के साथ निभाया है। फिल्म वास्तविक घटनाओं पर आधारित होते हुए भी कहानी में मौजूद ट्विस्ट और टर्न दर्शकों को बांधे रखते हैं। ट्रेनिंग सीन जोश और जज्बे से भरे हुए हैं, वहीं थ्रिल से भरपूर दृश्य रोंगटे खड़े कर देते हैं। फिल्म के संवाद बेहद प्रभावशाली हैं, जैसे-ह्लप्रेम ही करना हो तो अपने देश से करो,,, स्वतंत्रता किसी एक के लिए नहीं, पूरे भारत के लिए है।ह्ल या ह्लक्रांति की तलवार बम या बंदूक पर नहीं, विचारों की धार पर तेज की जाती है।ह्ल बैकग्राउंड म्यूजिक कहानी की गति के साथ पूरी तरह तालमेल बैठाता है। फिल्म का गीत ह्यजय होह्ल देशभक्ति की भावना को और भी प्रबल करता है।

नए साल पर अल्लू अर्जुन ने किया खास सेलिब्रेशन, टीम के साथ बिताए यादगार पल

अल्लू अर्जुन ने नए साल का स्वागत एक बेहद खास और भावनात्मक अंदाज में किया। उन्होंने अपने स्टाफ के साथ जश्न मनाया वे लोग जो ऑन-स्क्रीन और ऑफ-स्क्रीन, दोनों ही स्तर पर उनकी यात्रा का अहम हिस्सा रहे हैं। इस जश्न की तस्वीरें अल्लू अर्जुन की टीम ने अपने आधिकारिक ग (पूर्व में ट्विटर) हैंडल

पर साझा कीं, जिनके साथ एक दिल छू लेने वाला कैप्शन लिखा गयारू ह्लआइकन स्टार /ससनंतरनद ने अपने स्टाफ के साथ नया साल मनाया, उन लोगों के साथ कृतज्ञता और अपनापन भरी एक गर्मजोशी भरी शाम साझा की, जो इस पूरे सफर में मजबूती से उनके साथ खड़े रहे।ह्ल तस्वीरों में अल्लू अर्जुन अपने पूरे स्टाफ के साथ मुस्कुराते हुए ग्रुप फोटो में पोज देते नजर आ रहे हैं, जो एक परिवार जैसा माहौल दशार्ता है। कैजुअल और आरामदायक कपड़ों में ह्यपुष्पाह्ल स्टार बेहद सहज और खुश दिखाई दिए, जब उन्होंने पर्दे के पीछे उनका साथ देने वाली टीम के साथ क्वालिटी टाइम बिताया। वर्कफ्रंट की बात करें तो अल्लू अर्जुन की आने वाली फिल्मों की सूची बेहद दमदार है। इसमें ह्यपुष्पा 3 द रैम्पेजह्ल, निर्देशक एटली के साथ एक हाई-कॉन्सेप्ट साइंस-फिक्शन फिल्म (फिलहाल ।।22ॐ।6 के नाम से जानी जा रही है), जिसमें वह संभवतः कई भूमिकाओं में नजर आ सकते हैं, और निर्देशक त्रिविक्रम श्रीनिवास के साथ एक भव्य पौराणिक ड्रामा शामिल है। इन बड़े प्रोजेक्ट्स के 2025 से 2027 के बीच रिलीज होने की उम्मीद है।

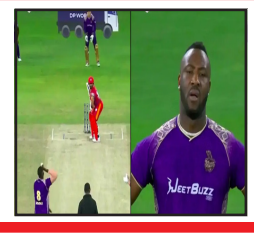

जेसन होल्डर ने फेंकी अजीबोगरीब गेंद हंसी नहीं रोक पाए रसेल

दुबई। आईएलटी20 2025 में जेसन होल्डर की एक बेहद भटकी हुई गेंद सीधे चौथी स्लिप की दिशा में चली गई, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। यह अजीब वाइड गेंद टी20 क्रिकेट के सबसे मजेदार पलों में से एक बन गई और फैंस को जमकर हंसने का मौका मिला। टी20 क्रिकेट को आमतौर पर लंबे छक्कों, तेज रन और सटीक यॉर्कर के लिए जाना जाता है, लेकिन 2025 इंटरनेशनल लीग टी20 (20) में वेस्टइंडीज के अनुभवी ऑलराउंडर जेसन होल्डर ने कुछ ऐसा कर दिया, जिसने फैंस को हंसी से लोटपोट कर दिया। दुबई कैपिटल्स की ओर से खेलते हुए होल्डर की एक गेंद इतनी भटकी हुई थी कि वह बल्लेबाज को पार करते हुए सीधे चौथी स्लिप की दिशा में जा पहुंची। स्लिप में फील्डिंग कर रहे आंद्रे रसेल भी हंसी नहीं रोक पाए। हाथ से फिसली गेंद होल्डर रन-अप लेकर आए और एक सामान्य तेज गेंद डालने की कोशिश की, लेकिन रिलीज पॉइंट पर गेंद उनके हाथ से फिसल गई। नतीजा यह रहा कि गेंद न सिर्फ बल्लेबाज को चकमा दे गई, बल्कि विकेट और विकेटकीपर के बीच आधा रास्ता भी तय कर गई। गेंद ठीक उस जगह पहुंची, जहां टेस्ट क्रिकेट में चौथी स्लिप फील्डर खड़ा होता है।

सात लोगों की मौत, ईरान में खामेनेई विरोधी प्रदर्शन तेज

जानें इसके पीछे क्या है वजह

तेहरान (एजेंसी)। ईरान में साल 2022 के बाद एक बार फिर व्यापक प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। मुद्रा में लगातार गिरावट, भारी महंगाई और रोजगार के मुद्दे पर लोग सड़कों पर उतर आए हैं। प्रदर्शन में दस विश्वविद्यालयों के छात्र भी शामिल हुए हैं, जिससे यह प्रदर्शन अब तेजी से देश के अन्य हिस्सों में भी फैल रहे हैं। ईरान में रविवार से जारी ताजा विरोध प्रदर्शनों के दौरान सुरक्षा बलों और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़पों में लोगों की मौत हो गई है। ये प्रदर्शन पहले राजधानी तेहरान में शुरू हुए और बाद में अन्य जगहों तक फैल गए, जब दस विश्वविद्यालयों के छात्रों ने मंगलवार को इसमें भाग लिया। विरोध प्रदर्शन की वजह आर्थिक मंदी और भारी महंगाई है, जो दिसंबर में 42.5 फीसदी तक पहुंच गई। क्यों हो रहे विरोध प्रदर्शन? ताजा विरोध प्रदर्श रविवार को तब शुरू हुए, जब दुकानदार मुद्रा में तेज गिरावट और बढ़ती कीमतों के कारण सरकार के खिलाफ सड़कों पर उतर आए। व्यापारी, दुकानदार और कई विश्वविद्यालयों के छात्र प्रदर्शन कर रहे हैं और प्रमुख बाजारों को बंद कर रहे हैं। बुधवार को सरकार ने सर्दियों की छुट्टी घोषित की, जिससे देश का अधिकांश हिस्सा बंद रहा। ईरान की फार्स न्यूज एजेंसी ने बताया कि प्रदर्शनकारियों ने पथराव किया और कई इमारतें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। पुलिसने कई लोगों को गिरफ्तार किया है। ईरान की अर्थव्यवस्था पर वर्षों से अमेरिकी और पश्चिमी प्रतिबंधों का दबाव रहा है। इनमें ज्यादातर प्रतिबंध तेहरान के परमाणु कार्यक्रम से जुड़े हैं। जून में इस्त्राइल के साथ 12 दिन के संघर्ष ने वित्तीय स्थिति और कमजोर कर दी। लोरेस्तान प्रांत के उप राज्यपाल सईद पौराली ने ईरानी न्यूज एजेंसी स्टूडेंट न्यूज नेटवर्क को बताया कि ये प्रदर्शन आर्थिक दबाव, महंगाई और मुद्रा में उतार-चढ़ाव के कारण हो रहे हैं और यह आजीविका की चिंताओं से जुड़े प्रदर्शन हैं। ये प्रदर्शन आर्थिक कारणों से प्रेरित हैं। लेकिन कई प्रदर्शनकारियों ने ईरान की शासन प्रणाली के खिलाफ भी नारे लगाए हैं। सप्ताह की शुरूआत में एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसमें एक व्यक्ति तेहरान की सड़क के बीचोंबीच बैठा दिखा और सामने मोटरसाइकिल पर पुलिस थी। कई लोगों ने इसकी तुलना 'तियानमेन' के आंदोलन से की। साल1989 में बीजिंग के तियानमेन में टैंक के सामने एक अकेला प्रदर्शनकारी खड़ा हुआ था, जिसकी तस्वीर पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बनी थी। वीडियो में व्यक्ति जमीन पर बैठा शांत दिख रहा है, सिर झुका हुआ है और फिर अपने सिर पर जैकेट डालता है, जबकि उसके पीछे भीड़ आंसू गैस के धुएं में दौड़ रही है। 2022 के बड़े प्रदर्शनों से तुलना हाल के विरोध प्रदर्शन 2022 में हुए बड़े विरोध प्रदर्शनों से छोटे हैं। 2022 में महसा अमीनी की हिरासत में मौत के बाद प्रदर्शन हुए थे।

किम जोंग उन की बेटी ने किया दादा और परदादा के समाधि स्थल का दौरा

प्योंगयांग (उत्तर कोरिया) (एजेंसी)। उत्तर कोरियाई शासक किम जोंग उन की बेटी किम जू ऐ ने पहली बार दादा-परदादा के समाधि स्थल का सार्वजनिक दौरा किया, जिससे उनके उत्तराधिकारी होने की अटकलें तेज हो गई हैं। सरकारी मीडिया में उनकी मौजूदगी को सत्ता हस्तांतरण का संकेत माना जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि उन्हें जल्द ही उत्तर कोरिया की अगली नेता के तौर पर औपचारिक रूप से पेश किया जा सकता है। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन की बेटी किम जू ऐ ने पहली बार अपने दादा और परदादा के समाधि स्थल का सार्वजनिक दौरा किया। शुक्रवार को सरकारी मीडिया में जारी तस्वीरों के बाद यह चर्चा तेज हो गई है कि वह भविष्य में देश की अगली नेता हो सकती हैं। किम परिवार दशकों से उत्तर कोरिया पर सख्त नियंत्रण के साथ शासन करता आया है और उनके तथाकथित 'पैक्टू वंश' (पैक्टू ब्लडलाइन) से जुड़ी व्यक्तित्व पूजा इस अलग-थलग पड़े देश के राजमर्रा के जीवन पर हावी है। मौजूदा नेता किम जोंग उन इस वंश के तीसरे शासक हैं। उनसे पहले उनके पिता किम जोंग इल और दादा किम इल सुंग यहां के शासक रहे। सरकारी प्रचार में इन दोनों व्यक्तियों को शाश्वत (स्थायी) नेता बताया जाता है और प्योंगयांग के केंद्र में स्थित एक विशाल मकबरे 'कुमसुसान पैलेस ऑफ द सन' में उनकी समाधि बनाई गई है। कोरियाई न्यूज एजेंसी ने बताया कि किम जोंग उन ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ इस मकबरे का दौरा किया, जिसमें उनकी बेटी किम जू ऐ भी उनके साथ नजर आईं। दक्षिण कोरिया की खुफिया एजेंसी ने कहा कि पिछले साल पिता के साथ बीजिंग की एक अहम यात्रा में जाने के बाद किम जू ऐ को उत्तर कोरिया की अगली शासक के रूप मं देखा जा रहा है। सियोल के सेजोंग इंस्टीट्यूट के विशेषज्ञ चेओंग सोंग-चांग ने कहा, जल्द ही उन्हें देश और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर औपचारिक रूप से उत्तराधिकारी के रूप में पेश किया जा सकता है।

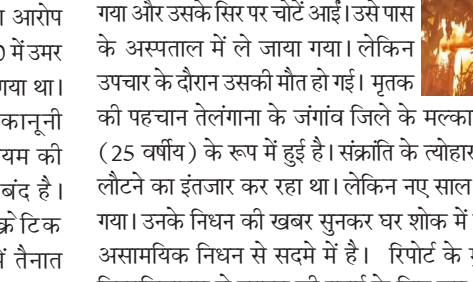

'हम आपके बारे में सोच रहे हैं'

न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी ने उमर खालिद को भेजी चिट्ठी

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी ने दिल्ली दंगा मामले के आरोपी उमर खालिद को एक चिट्ठी लिखी है। इस चिट्ठी में जोहरान ममदानी ने उमर का समर्थन किया। उमर खालिद की सहयोगी बनोज्योत्सना लाहिरी ने यह चिट्ठी सोशल मीडिया पर साझा की है। दिल्ली दंगा मामले के आरोपी उमर खालिद को अब न्यूयॉर्क के नवनिर्वाचित मेयर जोहरान ममदानी का भी साथ मिला है। जोहरान ममदानी ने उमर खालिद के लिए लिखा है कि हम सभी आपके बारे में सोच रहे हैं। उमर खालिद दिल्ली दंगा मामले में बीते पांच साल से जेल में बंद है। जोहरान ममदानी की उमर

खालिद के समर्थन में लिखी ये पंक्तियां ऐसे समय सामने आई हैं, जब अमेरिकी सांसदों ने भी भारतीय राजदूत को एक चिट्ठी लिखकर उमर खालिद का समर्थन किया है और उसे जेल से रिहा करने की मांग की है। जोहरान ममदानी ने उमर खालिद के समर्थन में लिखी ये बात उमर खालिद की सहयोगी बानोज्योत्सना लाहिरी ने जोहरान ममदानी के हाथ से लिखे एक नोट को सोशल मीडिया पर साझा किया है। इस नोट में न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी ने अपने हाथ से लिखा, 'प्रिय उमर, मुझे अक्सर कड़वाहट के बारे में आपके शब्द याद आते हैं और यह भी कि इसे खुद पर हावी न होने देना कितना अहम है। आपके माता-पिता से मिलकर खुशी हुई। हम सभी आपके बारे में सोच रहे हैं।' जोहरान ममदानी ने बुधवार आधी रात को ही न्यूयॉर्क मेयर पद की शपथ ली थी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, बीते दिसंबर में उमर खालिद के माता-पिता ने जोहरान ममदानी से न्यूयॉर्क में मुलाकात की थी। माना जा रहा है कि उसी दौरान जोहरान ममदानी ने उमर खालिद के लिए ये नोट लिखा था। अमेरिका के आठ डेमोक्रेटिक सांसदों ने भी उमर खालिद की रिहाई की मांग की फरवरी 2020 में दिल्ली में हुए दंगे के मामले में जेएनयू के पूर्व छात्र उमर खालिद पर साजिश रचने का आरोप है। इस मामले में सितंबर 2020 में उमर खालिद को गिरफ्तार किया गया था। उसके बाद से ही वह गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम की धाराओं के तहत जेल में बंद है। अमेरिका के आठ डेमोक्रेटिक सांसदों ने भी वॉशिंगटन में तैनात भारतीय राजदूत को एक चिट्ठी लिखकर उमर खालिद की रिहाई की मांग की है। अमेरिकी सांसदों ने उमर खालिद के मामले की सुनवाई में हो रही देरी पर भी चिंता जताई और उसे जमानत देने की मांग की।

जर्मनी में भारतीय छात्र की मौत, आग से बचने की कोशिश में अपार्टमेंट से कूदा; घर पर पसरा मातम

बर्लिन (जर्मनी) (एजेंसी)। संक्रांति के त्योहार पर रितिक रेड्डी का परिवार उसका घर लौटने का बेसब्री से इंतजार कर रहा था। लेकिन नए साल के पहले दिन अपार्टमेंट में आग लगने के बाद रितिक की मौत हो गई। अब उनका परिवार उनके शव का इंतजार कर रहा है। जर्मनी की राजधानी बर्लिन में एक भारतीय छात्र की बुधवार की रात भीषण अग्निकांड में मौत हो गई। बताया जा रहा है कि उनके अपार्टमेंट में भीषण आग लगी। आग और घने धुएं से बचने की कोशिश में छात्र अपार्टमेंट की ऊपरी मंजिल से कूद गया और उसके सिर पर चोटें आईं। उसे पास के अस्पताल में ले जाया गया। लेकिन उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान तेलंगाना के जंगांव जिले के मल्कापुर गांव निवासी रितिक रेड्डी (25 वर्षीय) के रूप में हुई है। संक्रांति के त्योहार पर उनका परिवार उनके घर लौटने का इंतजार कर रहा था। लेकिन नए साल के पहले दिन यह हादसा हो गया। उनके निधन की खबर सुनकर घर शोक में डूब गया। परिवार अब उनके असामयिक निधन से सदमे में है। रिपोर्ट के मुताबिक, रितिक रेड्डी यूरोप विश्वविद्यालय से एमएस की पढ़ाई के लिए जून 2023 में जर्मनी के मैगडेबर्ग गए थे। उन्होंने 2022 में वाग्देवी इंजीनियरिंग कॉलेज से स्नातक किया था। बताया जा रहा है कि रितिक ने दशहरा के समय छुट्टी को टाल दिया और योजना बनाई थी कि जनवरी के दूसरे सप्ताह में संक्रांति के लिए घर लौटेंगे। जर्मनी के स्थानीय अधिकारी आग लगने के कारण की जांच कर रहे हैं। इसी बीच, रितिक का परिवार और उनके मित्र तेलंगाना से विदेश मंत्रालय (एमईए) और जर्मनी में भारतीय दूतावास से संपर्क कर रहे हैं।

जेन-जी मामले में पूर्व पीएम ओली से होगी पूछताछ, जांच आयोग ने बयान के लिए बुलाने की तैयारी शुरू की

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल में पिछले साल सत्ता परिवर्तन का कारण बने जेन-जी के विरोध प्रदर्शन से जुड़े मामले की जांच कर रहे आयोग ने पूर्व पीएम केपी शर्मा ओली से पूछताछ की तैयारी शुरू कर दी है। आयोग के अध्यक्ष गौरीबहादुर कार्की ने कहा कि हम ओली को बयान के लिए बुलाने की तैयारी में हैं। नेपाल में जेन-जी आंदोलन के तहत 8 और 9 सितंबर 2025 की घटनाओं की जांच कर रहे जांचबूझ आयोग ने नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एमाले) के अध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को बयान के लिए बुलाने की तैयारी की है। आयोग उनके नाम औपचारिक पत्र जारी करने जा रहा है। सिंहदरबार में प्रधानमंत्री सुशीला कार्की से मुलाकात के बाद गुरुवार को प्रधानमंत्री एवं मंत्रिपरिषद कार्यालय के बाहर पत्रकारों से बातचीत में जांचबूझ आयोग के अध्यक्ष गौरीबहादुर कार्की ने बताया कि जेन-जी आंदोलन से जुड़े मामलों में ओली को बयान के लिए बुलाने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। गौरीबहादुर कार्की ने कहा कि हम ओली को बयान के लिए बुलाने की तैयारी में हैं। जब पत्रकारों ने पूछा कि यदि आयोग के बुलाने पर ओली उपस्थित नहीं होते तो क्या किया जाएगा, इस पर गौरी बहादुर कार्की ने कहा, अगर वह नहीं आए, तो उस समय की स्थिति के अनुसार निर्णय लिया जाएगा। फिलहाल हम उन्हें पत्र भेज रहे हैं। पूर्व गृह मंत्री लेखक पहले ही दर्ज करा चुके हैं बयान कार्की के अनुसार, पूर्व गृह मंत्री रमेश लेखक का बयान पहले ही दर्ज किया जा चुका है।

नशे में पालयट मामले को कनाडा ने बताया गंभीर सुरक्षा उल्लंघन, 26 जनवरी तक मांगी रिपोर्ट

टोरंटो (कनाडा) (एजेंसी)। रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी) की शिकायत के बाद कनाडा के परिवहन विभाग ने एअर इंडिया से जुड़ी एक गंभीर सुरक्षा चूक को चिह्नित किया है। आरोप लगाया गया है कि वैंकूवर हवाई अड्डे पर ड्यूटी से पहले एअर इंडिया का एक कैप्टन शराब के नशे में था। कनाडा के परिवहन विभाग ने 24 दिसंबर 2025 को एअर इंडिया के वरिष्ठ अधिकारियों को एक पत्र भेजा। इसमें विभाग ने बताया कि यह घटना 23 दिसंबर 2025 को वैंकूवर से वियना जा रही एअर इंडिया की उड़ान एआई186 से जुड़ी है। पत्र में आगे कहा गया, वैंकूवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आरसीएमपी ने कैप्टन सौरभ कुमार की दो बार सांसों का परीक्षण (ब्रेथलाइजर) कर इसकी पुष्टि की। उन्हें विमान को छोड़ने की सलाह दी गई थी। विभाग ने कहा कि यह घटना कनाडा के विमानन नियमों (सीएआर) का उल्लंघन है। उसने बताया कि इस मामले में सीएआर 602.02 और सीएआर 602.03 के साथ-साथ एअर इंडिया के विदेशी विमानन संचालक प्रमाणपत्र (एफएओसी) की शर्तों का भी उल्लंखन हुआ है। ट्रांसपोर्ट कनाडा ने आगे कहा, संभावना है कि आरसीएमपी और टीसीसीए की ओर से प्रवर्तन कार्रवाई की जाएगी। कनाडाई विमानन प्राधिकरण ने एअर इंडिया को सुधार वाले कदम उठाने को कहा है। एअर इंडिया को 26 जनवरी तक अपना जवाब देने को कहा है, जिसमें जांच के निष्कर्ष और उठाए गए कदमों का विस्तार से विवरण हो। यह नोटिस उड़ानों एआई-358 और एआई-357 से जुड़ी सुरक्षा चिंताओं के कारण दिया गया था, जिसमें विमान की उड़ान मंजूरी, न्यूनतम उपकरण सूची (एमईएल) का पालन और उड़ान के क्रू के निर्णय शामिल थे। डीजीसीए ने नोटिस में कहा कि पायलट ने बार-बार तकनीकी खामियों और प्रणाली में कमी होने के बावजूद विमान को स्वीकार किया। विमानन प्राधिकरण ने बताया कि उड़ान एआई-358 में एक दरवाजे के पास धुएं की गंध महसूस की गई। डीजीसीए ने कारण बताओ नोटिस में कहा कि एअर इंडिया लिमिटेड की उड़ान एआई-358 (और इससे जुड़ी एआई-357 उड़ानों) के संचालन के दौरान गंभीर सुरक्षा चिंताएं सामने आईं, जो विमान की उड़ान मंजूरी, न्यूनतम उपकरण सूची के पालन और चालक दल के निर्णय लेने से जुड़ी थी। एअर इंडिया ने इस मामले पर क्या कहा? एअर इंडिया के प्रवक्ता ने कहा, 23 दिसंबर 2025 को कॉकपिट क्रू के एक सदस्य को उड़ान भरने से पहले ही विमान से उतार दिया गया था, जिसकी वजह से वैंकूवर से दिल्ली आने वाली उड़ान एआई186 को उड़ान भरने से पहले अंतिम क्षण में देरी हुई। कनाडाई अधिकारियों ने पायलट की ड्यूटी के लिए उपयुक्तता पर चिंता जताई, जिसके बाद क्रू सदस्य को आगे की पूछताछ के लिए ले जाया गया।

फरवरी में 12 जिला परिषदों-125 पंचायत समितियों के चुनाव की संभावना, जल्द हो सकता है तारीखों का एलान

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र निर्वाचन आयोग फरवरी में कक्षा 12 की परीक्षाएं शुरू होने से पहले 12 जिला परिषदों और

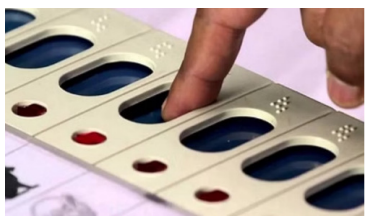

125 पंचायत समितियों के चुनावों की तारीख का एलान कर सकता है। आयोग तैयारियों को लेकर छह जनवरी को अधिकारियों के साथ बैठक करेगा। महाराष्ट्र में 12 जिला परिषदों (जेडपी) और 125 पंचायत समितियों के चुनाव फरवरी के पहले हफ्ते में कराए जाने की संभावना है। उम्मीद है कि महाराष्ट्र राज्य निर्वाचन आयोग (एसईसी) अगले सप्ताह इन चुनावों की तारीखों का एलान करेगा। सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। राज्य निर्वाचन आयोग छह जनवरी को तीसरे चरण के चुनावी जिलों के अधिकारियों की एक बैठक करेगा। इस समीक्षा बैठक में तैयारियों, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) की उपलब्धता और चुनावी व्यवस्थाओं की स्थिति की समीक्षा की जाएगी। इसके बाद जनवरी के दूसरे हफ्ते में चुनाव कार्यक्रम घोषित होने से पहले तारीखों पर फैसला लिया जाएगा। आयोग को कक्षा 12 की परीक्षाएं शुरू होने की तारीख 10 फरवरी से पहले चुनाव प्रक्रिया पूरी करनी है। आयोग एक अधिकारी ने कहा, चुनाव प्रक्रिया पूरी करने में हमें करीब 28 दिन लगेंगे। हमें 15 जनवरी के बाद इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल) से नई ईवीएम की आपूर्ति शुरू होने की उम्मीद है। नगर निकाय चुनावों से मुक्त होने के बाद कर्मचारियों को जिला परिषद चुनावों में लगाया जा सकेगा। एक अन्य अधिकारी ने बताया, 35 हजार मतदान केंद्रों के लिए हमें कम से कम 70 हजार ईवीएम और डेढ़ लाख से अधिक अधिकारियों व कर्मचारियों की जरूरत होगी। चूंकि आठ जनवरी से पहले तीसरे चरण के चुनावों की घोषणा संभव नहीं है, इसलिए जिला परिषद और पंचायत समिति चुनाव फरवरी के पहले हफ्ते में होने की संभावना है।

जनरल अनिल चौहान का निकोबार दौरा, एयरबेस पर रनवे का किया उद्घाटन

जानें रणनीतिक रूप से क्यों है अहम

श्री विजय पुरम (अंडमान और निकोबार) (एजेंसी)। सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने अंडमान-निकोबार के कार निकोबार एयर बेस पर भारतीय वायु सेना के अपग्रेड किए गए रनवे का उद्घाटन किया। इसे रणनीतिक रूप से अहम माना जा रहा है और इससे वायु सेना के अभियानों की भी क्षमता बढ़ेगी। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने शुक्रवार को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में भारतीय वायुसेना के कार निकोबार एयर बेस पर अपग्रेड किए गए रनवे का उद्घाटन किया। सीडीएस सुबह करीब साढ़े ग्यारह बजे कार निकोबार द्वीप शुभारंभ किया। सीडीएस सुबह करीब

पहुंचे, जहां अंडमान और निकोबार कमान (एएनसी) के कमांडर-इन-चीफ वाइस एडमिरल अजय कोचर और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। एक अधिकारी ने बताया कि सीडीएस ने भारतीय वायुसेना के कार निकोबार एयर बेस पर फिर से तैयार और अपग्रेड किए गए रनवे का उद्घाटन किया। निकोबार जिले में स्थित कार निकोबार श्री विजय पुरम (पूर्व नाम पोर्ट ब्लेयर) से करीब 535 किलोमीटर दूर है और 2004 की सुनामी में यहां सबसे अधिक नुकसान हुआ था। 'मलक्का जलडमरूमध्य पर रखी जा सकेगी सीधी नजर' अधिकारी ने बताया कि अपग्रेड किए गए रनवे से पूर्वी मोर्चे को और मजबूती मिलेगी, क्योंकि यहां से मलक्का जलडमरूमध्य पर सीधी रणनीतिक नजर रखी जा सकती है, जो अंतरराष्ट्रीय व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति के लिए एक अहम समुद्री मार्ग है।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. UPHIN/2016/67511 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा दीक्षित प्रिंटिंग प्रेस 120/51/1 मॉडल हाउस लखनऊ से मुद्रित एवं 233जी इंद्रलोक कॉलोनी कृष्ण नगर लखनऊ से प्रकाशित।
E-Mail : mantralko1008@gmail.com | सम्पादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 7007837917 | वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।